website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 363 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 09 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पश्चिमी बंगाल में बनेगी बाबरी मस्जिद

-तृणमूल, भाजपा और कांग्रेस के पूर्व नेता विधायक हुमायू कबीर ने 6 दिसंबर 2025 को रखी नींव

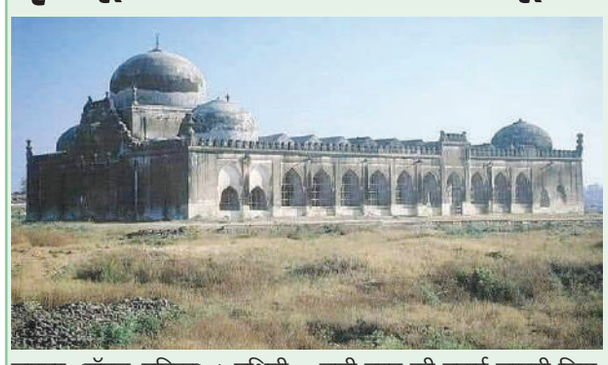

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडंगा में 6 दिसंबर 2025 को एक बड़ा प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 2 लाख मुसलमानों की भीड़ जुटी। तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायू कबीर की ओर से बाबरी मस्जिद के निर्माण की नींव रखने के लिए यह प्रोग्राम आयोजित किया गया । बाबरी मस्जिद का निर्माण यहां करीब 20 बीघा जमीन पर किया जाएगा साथ में कॉलेज, हॉस्पिटल आदि का भी निर्माण करवाया जाएगा। मस्जिद निर्माण पर करीब 90 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे । बेलडंगा में बनने वाली मस्जिद उसी तरह की बनाई जाएगी जिस तरह अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनी थी । अयोध्या में बाबरी मस्जिद को 6 दिसंबर 1992 को हिंदू संगठनों ने ढहा दिया गया था । टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायू कबीर बाबरी मस्जिद की याद में बाबरी मस्जिद की हूबहू कॉपी मस्जिद बेलडंगा में बनाना चाहते हैं । बाबरी मस्जिद के कार्यक्रम में पश्चिमी बंगाल के कोने-कोने से करीब दो लाख लोग मस्जिद निर्माण के लिए हाथों में ईंट और बजरी लेकर पहुंचे । प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे । पश्चिमी बंगाल हाईकोर्ट ने भी बाबरी मस्जिद निर्माण की अनुमति दी है । प्रोग्राम में सऊदी से भी कुछ मौलानाओं ने शिरकत की बताई जा रही है ।

कौन है हुमायू कबीर-

हुमायूं कबीर आईपीएस अधिकारी रहे हैं। कबीर पश्चिमी बंगाल पुलिस

सर्विस में भर्ती हुए, फिर आईपीएस में प्रमोशन मिला । राजनीति में आने के लिए उन्होंने वालेंटियर रिटायरमेंट लिया था । शुरुआत में उन्होंने कांग्रेस से रिश्ता जोड़ा, फिर भाजपा में (2018-2021) करीब 3 वर्ष रहे । 2021 में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस ज्वाइन किया और उसी वर्ष वे डेबरा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए । 10 मई 2021 को उन्हें राज्य मंत्रालय (State मिनिस्टर)- Technical Education Training And Skill Development का मंत्री बनाया गया । अगस्त 2022 में उन्हें मंत्री पद से हटा दिया गया । निलंबित विधायक हुमायू कबीर के राजनीतिक सफर से जाना जा सकता है कि उनकी कोई निश्चित आईडियोलॉजी नहीं है । कांग्रेस, बीजेपी, तृणमूल कांग्रेस और अब कोई और पार्टी हो सकती है । हुमायूं कबीर की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बड़ी हैं । पश्चिमी बंगाल में 35 प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या है । राजनीति में बड़ा करने के लिए हुमायू कबीर किसी भी पार्टी, व्यक्ति से हाथ मिला सकते हैं ।

राजनीतिक संभावनाएं-

हुमायू कबीर अब टीएमसी से निलंबित विधायक हैं । उन्होंने कांग्रेस, बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस में रहकर राजनीति की है । पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं । उनको पता है कि देश में भावनाओं को उभार कर ही बड़ी राजनीति की जा सकती है । यदि कुछ बड़ा करने के लिए उन्हें भाजपा से छुपा हुआ या खुलकर समझौता करना पड़ा तो, वह कर लेंगे । अभी हुमायू कबीर एआईएमआईएम से समझौता करना चाहते हैं । बाबरी मस्जिद की कॉपी पश्चिमी बंगाल में बनाना उनकी धार्मिक सोच में राजनीतिक सोच दिखाई दे रही है । मुस्लिम बुद्धिजीवी इसके पीछे भाजपा का हाथ बता रहे हैं, क्योंकि पश्चिमी बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं । पश्चिमी बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को आसानी से नहीं हटाया जा सकता है । इसलिए भाजपा भी वहां ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है । यदि ममता बनर्जी की सेकुलर राजनीति थोड़ी भी कमजोर पड़ती है तो भाजपा और हुमायू कबीर जैसे नेताओं की राजनीति चमक सकती है । इसलिए कहा जा सकता है कि पश्चिमी बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने के पीछे धार्मिक एजेंडा से ज्यादा राजनीतिक एजेंडा दिखाई दे रहा है । हुमायू कबीर एक होशियार मुस्लिम नेता हैं । उन्होने कुछ ही दिनों में पूरे देश में अपने आपको चर्चित चेहरा बनवा लिया । देश का मीडिया भी उनका पूरा सहयोग कर रहा है ।

तुर्की पाकिस्तान में लड़ाकू ड्रोन फैक्ट्री लगाएंगा

-पांचवीं पीढ़ी के जेट प्रोग्राम पर भी होगा काम

इस्लामाबाद । तुर्की अपने लड़ाकू ड्रोन को पाकिस्तान में असेंबल करने की तैयारी कर रहा है। इस सिलसिले में पाकिस्तान के अंदर एक फैसिलिटी स्थापित करने पर बातचीत तेज हो गई है। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से इस बारे में जानकारी दी है। यह अंकारा की अपनी तेजी से बढ़ती डिफेंस इंडस्ट्री को नए मार्केट में फैलाने की कोशिश का हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार तुर्की एक्सपोर्ट के लिए मानवरहित हवाई वाहन को असेंबल करने के लिए पाकिस्तान में एक प्लांट खोलने का इरादा रखता है। इस प्रोजेक्ट में स्टेल्थ और लंबे समय तक चलने वाले ड्रोन प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि अक्टूबर से बातचीत में काफी प्रगति हुई है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने ब्लूमबर्ग के सवालों पर टिप्पणी से मना कर दिया, जबकि पाकिस्तान के सूचना मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया है। यह संभावित सहयोग ऐसे समय में हो रहा है, जब तुर्की की डिफेंस और एयरोस्पेस इंडस्ट्री ने एक्सपोर्ट में अच्छी बढ़ोतरी देखी है।

तुर्की का रक्षा निर्यात 30 फीसदी बढ़ा-

तुर्की के रक्षा निर्यात के बारे में गुरुवार को जारी डेटा से पता चलता है कि जनवरी और नवम्बर के बीच एक्सपोर्ट पिछले साल इसी समय की तुलना में 30 प्रतिशत बढ़कर 7.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2025 में अभी एक महीना बाकी होने पर ही तुर्की के पिछले सालाना उच्च स्तर को पार कर चुका है। तुर्की की डिफेंस इंडस्ट्री (SSB) के हेड हलुक गोरगुन ने एक्स पर इन आंकड़ों की घोषणा की। तुर्की की सबसे बड़ी ड्रोन बनाने वाली कंपनी बायकर है जिसने अब तक लगभग 35 देशों को ड्रोन निर्यात किए हैं। इनका इस्तेमाल यूक्रेन के अलावा अजरबैजान और लीबिया में लड़ाई के दौरान किया गया है। बायकर में मालिकाना हक रखने वालों में सेल्कुक बायरकतर हैं, जो राष्ट्रपति रेचेप तैयार एर्दोगन के दामाद हैं। कंपनी की सफलता में एर्दोगन का भी योगदान है, जो विदेश यात्राओं के दौरान खुद बायकर ड्रोन को प्रमोट करते हैं। तुर्की और पाकिस्तान के बीच पहले से ही करीबी रक्षा संबंध हैं। अंकारा एक जॉइंट प्रोडक्शन समझौते के तहत पाकिस्तान की नेवी के लिए कॉर्वेट क्लास वॉरशिप बना रहा है। उसने पाकिस्तान के कई F-16 फाइटर जेट को मॉडर्न बनाया है। तुर्की के अधिकारियों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि अंकारा अब पाकिस्तान को भी अपने पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट प्रोग्राम कान (KAAN) में शामिल करने का इरादा रखता है।

जिहाद का विरोध क्यों ?

-मौलाना मदनी ने कहा था यदि अन्याय हुआ तो जिहाद होगा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना महमूद मदनी का एक बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि अन्याय हुआ तो जिहाद होगा। इसी को लेकर देश में कुछ संगठनों ने मौलाना महमूद मदनी के जिहाद वाले बयान की तीव्र आलोचना शुरू करदी।

भारत देश में कुछ संगठनों ने "जिहाद" शब्द का अर्थ ही बदल के रख दिया है। ऐसे संगठन और व्यक्ति "जिहाद" का हिंसा और मारकाट से निकालते हैं और लोगों में डर, भय और अविश्वास पैदा करते हैं। यह ऐसा ही है कि स्वतंत्रता के समय देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों को शहीद, स्वतंतता सेनानी, देश-भक्त कहा जाता था और देशवासियों में इनको सम्मान की नजर से देखा और माना जाता था। जबकि अंग्रेज़ भारत देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों को आतंकवादी मानते थे और पकड़कर या तो गोली मार देते थे या फिर जेल में डाल देते थे।

इस्लामिक परम्परा में "जिहाद" का मूल अर्थ है
-अन्याय और बुराई के खिलाफ नैतिक संघर्ष
-समाज में सुधार लाने की कोशिश
- स्वयं पर काबू पाना

लेकिन आम मीडिया और पॉप कल्चर में इसे अक्सर सिर्फ हिंसक संघर्ष के रूप में पेश किया गया है। भारतीय मीडिया में जिहाद को लेकर अनावश्यक बहस की गई। देश में कोई नेता या विद्वान इस शब्द का धार्मिक/नैतिक अर्थ में उपयोग करता है, तो उसका अर्थ तुरंत नकारात्मक रूप में ले लिया जाता है। कई बार मीडिया में बयान का एक छोटा हिस्सा ही हाईलाईट किया जाता है, संदर्भ नहीं दिखाया जाता है। संदर्भ हटने से शब्द का अर्थ भी बदल जाता है। जिससे भ्रम, गलतफहमी और भय बढ़ते हैं । ज्यादातर लोग कुछ सैकेंड का क्लिप देखकर पूरा संदेश समझने के बजाय पहले से बने नज़रिये के आधार पर राय बना लेते हैं। इससे अर्थ और भी विकृत हो जाता है।

मौलाना मदनी ने कहा कि जिहाद एक पवित्र भौर धार्मिक अवधारणा है। लेकिन आज इसे जानबूझकर हिंसा और आतंक से जोड़कर पेश, किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुरान में जिहाद के कई मायने हैं, सिर्फ लड़ाई नहीं। इनमें से एक है- अन्याय, अत्याचार, दमन के खिलाफ संघर्ष, समाज या इंसानियत की भलाई के लिए संघर्ष करना। मौलाना मदनी का मूल संदेश था कि 'जहां अन्याय होगा, वहां जिहाद होगा।" यानि अगर कहीं अन्याय, दमन, सामाजिक न्यायहीनता हो तो उसका विरोध करना, उस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना ही असली जिहाद है। अगर किसी व्यक्ति या समुदाय को देश में, समाज में और न्याय-व्यवस्था में अन्याय मिला हो तो उसका विरोध करना, आवाज उठाना, अधिकारों की रक्षा करना ही जिहाद है। लेकिन मदनी ने स्पष्ट किया कि यह जिहाद हिंसा या आतंक के नाम पर नहीं हो सकता। भारत जैसे लोकतांत्रिक मुल्क में कानून और संविधान के दायरे में रहकर ही संघर्ष होगा।

आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट मामले में 7 साल की सजा

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके परिवार को एक बार फिर कानूनी झटका लगा है। आज़म खान के बेटे और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आज़म को दो पासपोर्ट रखने से जुड़े एक मामले में रामपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने 7 साल कैद और 50,000 रुपये जुर्माने की सज़ा सुनाई है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला वर्ष 2019 में दर्ज किया गया था। बीजेपी के शहर विधायक आकाश सक्सेना ने अब्दुल्ला आज़म के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज कराया था। अब्दुल्ला आज़म पर दो अलग-अलग जन्मतिथि का इस्तेमाल करके दो पासपोर्ट बनवाने का आरोप था।

उन पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की गंभीर धाराएं, जैसे 420 (धोखाधड़ी), 467 (मूल्यवान सुरक्षा की जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 471 (जाली दस्तावेज़ का उपयोग करना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी मामले में रामपुर की विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्दुल्ला आज़म को दोषी ठहराते हुए 7 साल की सज़ा और 50 हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया।

पहले से ही जेल में हैं आज़म और अब्दुल्ला

अब्दुल्ला आज़म को यह सज़ा तब मिली है, जब वह पहले से ही अपने पिता आज़म खान के साथ रामपुर की जिला जेल में बंद हैं। पिता-पुत्र दोनों दो पैन कार्ड के मामले में कोर्ट से सज़ा मिलने के बाद जेल में कैद हैं। पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आज़म को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया और उन्हें सज़ा सुनाई गई।

बरेली में बुलडोजर ऐक्शन पर सुप्रीम कोर्ट का ब्रेक

-याचिकाकर्ता को दी अंतरिम राहत; HC जाने को कहा

बरेली। यूपी के बरेली के सूफी टोला में गुड मैरिज हॉल और एवान-ए-फरहत बरातघरों पर पिछले दो दिन से चल रहा बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) के बुलडोजर ऐक्शन पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। गुरुवार को लगातार तीसरे दिन बीडीए की टीम ध्वस्तीकरण के लिए पहुंची थी लेकिन याचिकाकर्ताओं की ओर से जैसे ही वकील ने अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश दिखाए, बुलडोजर सहित टीम वापस हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर करने को कहा है। इसके साथ ही उन्हें सात दिन की अंतरिम राहत भी दी है। बारात घर के संचालकों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। गुरुवार को फरहत जहां की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि हम याचिका पर सुनवाई नहीं करना चाहते लेकिन आर्टिकल 226 के तहत याचिकाकर्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके साथ कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता हाई कोर्ट की सम्बन्धित बेंच में त्वरित सुनवाई की अपील दायर करते समय इस बात का उल्लेख कर सकते हैं कि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पहले ही प्रारंभ की जा चुकी है। याचिका में जानकारी दी गई है कि निर्माण का कुछ हिस्सा ध्वस्त भी कर दिया गया है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सात दिन की अंतरिम सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक फिलहाल बीडीए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं कर पाएगा। आदेश देखने के बाद अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी और बुलडोजर वापस कर दिए।

बरेली बवाल के बाद हुआ है ऐक्शन-

बरेली में पिछले 26 सितंबर को हुए बवाल के आरोपियों पर पुलिस की कार्रवाई के साथ ही अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर ऐक्शन भी चला है। बीडीए ने बुधवार को मौलाना तौकीर रजा के करीबी सूफी टोला निवासी सपा नेता सरफराज वली खां और राशिद खान के बारातघरों पर दूसरे दिन भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की थी। गुड मैरिज हॉल और एवान-ए-फरहत पर यह कार्रवाई की गई। इससे पहले एक शादी हॉल की छत पर लगे मोबाइल टॉवर को भी हटाने की कार्रवाई की गई। बुधवार शाम तक कथित अवैध निर्माण के काफी हिस्से को जमींदोज कर दिया गया था। वहीं, बीडीए उपाध्यक्ष डा. ए. मनिकंडन ने कहा था कि अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अरवा हनीन बनीं ऑक्सफॉर्ड यूनियन की पहली फिलिस्तीनी प्रेसिडेंट?

लंदन (एजेंसी)। यूनाइटेड किंगडम की प्रतिष्ठित छात्र संगठनों में शामिल ऑक्सफोर्ड यूनियन ने अपने 202 साल के इतिहास में पहली बार फिलिस्तीनी मूल की छात्रा को अध्यक्ष चुना है। अरवा हनीन एलराएस, जो सेंट एडमंड हॉल कॉलेज में दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र और राजनीति (PPE) की छात्रा हैं, 2026 के ट्रिनिटी टर्म में यूनियन की अध्यक्षता संभालेंगी।

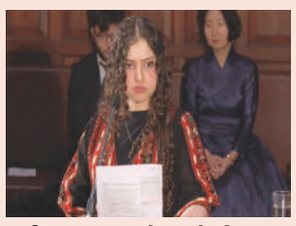

150 ज्यादा फर्स्ट-प्रेफ़रेंस वोट हासिल-

एलराएस ने अपने प्रतिद्वंद्वी लीसा बारकोवा से 150 ज्यादा फर्स्ट-प्रेफ़रेंस वोट हासिल किए। उन्हें कुल 757 वोट मिले, जबकि मतदान में कुल 1528 छात्रों ने हिस्सा लिया, जो पिछले साल की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक है।

पिता ने कही ये बात-

एलराएस इससे पहले लंदन में हुए pro-Palestinian प्रदर्शनों पर आधारित डॉक्युमेंट्री Heart of a Protest के निर्माण में भी जुड़ी रही हैं। उनके पिता मोहम्मद एलराएस ने लिंक्डइन पर लिखा, "अपनी बेटी पर बहुत गर्व है। जिसने ऑक्सफोर्ड यूनियन की पहली अरब महिला, पहली फिलिस्तीनी और पहली अल्जीरियाई अध्यक्ष के रूप में इतिहास रच दिया।"

क्या बोलीं अरवा हनीन?-

वहीं, अध्यक्ष चुने जाने के बाद एलराएस ने स्टूडेंट-रन यूनिवर्सिटी न्यूज़ वेबसाइट Oxford Student से कहा, "यूनियन के सदस्यों ने मुझ पर और मेरी टीम पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। मैं उन सभी का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मतभेदों को पीछे छोड़कर एक साझा विज़न के लिए साथ काम किया। मैं 2026 के ट्रिनिटी टर्म में इस सोसाइटी की सेवा करने की इंतेजार कर रही हूं।"

राजनीतिक समस्याओं पर फोकस-

एलराएस का चुनाव अभियान मुख्य रूप से यूनियन की आंतरिक राजनीतिक समस्याओं पर केंद्रित था, जिनके बारे में उनका कहना था कि इस टर्म में ये मुद्दे यूनियन को परिभाषित करने वाली बहसों को भी प्रभावित कर रहे हैं। वह वर्तमान में ऑक्सफोर्ड यूनियन की स्टैंडिंग कमेटी की सदस्य हैं और छात्रों के संगठन और एडवोकेसी के कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते कई हफ्तों से गिरावट का दौर जारी है

-हालांकि सोने के भंडार में तेजी दर्ज की गई है

नई दिल्ली । भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते एक हफ्ते में गिरावट आई है। देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक 28 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.88 अरब डॉलर की गिरावट आई है और अब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 686 अरब डॉलर रह गया है। 21 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी और यह 4.4 अरब डॉलर घटकर 688 अरब डॉलर रह गया था। अब लगातार दूसरे सप्ताह भी इसमें कमी दर्ज की गई है।

सोने के भंडार में तेजी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) का है, जो 557 अरब डॉलर है। इसमें 3.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। हालांकि सोने के भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें 1.6 अरब डॉलर की तेजी आई है और यह 105 अरब डॉलर पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त समाप्त के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार $704.885 billion के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

एसडीआर में बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (SDR) में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बीते सप्ताह के दौरान एसडीआर में 6.3 करोड़ डॉलर की मामूली बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 18 अरब डॉलर का हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी 1.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना आईएमएफ रिजर्व बढ़ कर4.7 अरब डॉलर का हो गया है।

अमेरिका का वर्चस्व अब खत्म हो गया है –तलमीज अहमद

नई दिल्ली। सऊदी अरब, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत रह चुके तलमीज अहमद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात पर अमेरिका की प्रतिक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिकी आधिपत्य का युग अब समाप्त हो गया है। उन्होंने भारत की बढ़ती मुखरता और अपने आंतरिक मामलों में कथित अमेरिकी हस्तक्षेप के प्रति प्रतिरोध पर प्रकाश डाला और कहा कि अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में अपनी विफलताओं के कारण अमेरिका ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। तलमीज अहमद ने बताया, "शीत युद्ध समाप्त होने के बाद केवल एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था थी, और अमेरिका आधिपत्य वाला देश था। लेकिन, तब से बहुत कुछ घटित हो चुका है। अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में अपने दुस्साहस के कारण अमेरिका ने विश्वसनीयता खो दी है। वे अब वह विश्वसनीय जनशक्ति नहीं रहे जो वे तब हुआ करते थे जब वे आधिपत्य का दावा करते थे। इस बीच, अन्य देशों ने भी वैश्विक परि²श्य में प्रवेश कर लिया है।" गौरतलब है कि यह बयान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हाल ही में संपन्न भारत और अमेरिका यात्रा के बाद आया है । ऐसे भी आरोप लगाए गए कि भारत ने एक युद्ध अपराधी के लिए लाल कालीन बिछा दिया है। पूर्व भारतीय राजनयिक ने कहा कि दुनिया अब बहुध्रुवीय हो गई है, जहां चीन और भारत जैसे देश अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का दावा कर रहे हैं। चीन विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और रसद संपर्क के मामले में अमेरिकियों को चुनौती दे रहा है। अमेरिकी आधिपत्य के दिन अब लद गए हैं। यह परिदृश्य कोई नया शीत युद्ध नहीं है, बल्कि बहुध्रुवीय व्यवस्था का उदय है। अहमद ने कहा, "अमेरिका का शीर्ष नेतृत्व अराजकता, अव्यवस्था और अनिश्चितता का उदाहरण है। यूरोपीय संघ का एक बड़ा हिस्सा रूस के साथ जुड़ा हुआ है। उनमें से कई रूसी ऊर्जा खरीद रहे हैं।

अमेरिकी रूस और चीन के साथ वार्ता कर रहे हैं और मजबूत व्यापारिक संबंध बना रहे हैं। पुतिन ने हमें याद दिलाया है कि अमेरिकी रूस से परमाणु ईंधन खरीद रहे हैं। विभिन्न देश लगातार रेअर अर्थ खरीद रहे हैं। उनकी हिम्मत कैसे हुई कि वे भारत या किसी अन्य देश को यह बताएं कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए? हम तो किसी को कुछ नहीं कहते।"

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

उम्मीद पोर्टल पर सभी वक़्फ़ संपत्तियां रजिस्टर्ड नहीं हो पाई !

वक़्फ़ बोर्ड में पहले से रजिस्टर्ड वक़्फ़ संपत्तियों को 6 दिसंबर 2025 तक केंद्र सरकार ने उम्मीद पोर्टल पर रजिस्टर्ड करवाना जरूरी था । लेकिन 6 दिसंबर अंतिम तारीख तक बड़ी संख्या में वक़्फ़ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन उम्मीद पोर्टल पर नहीं हो पाया है । केंद्र सरकार और माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 6 महीने पहले ही देश की सभी वक़्फ़ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर रजिस्टर्ड करना अनिवार्य कर दिया था। लेकिन मुस्लिम समुदाय में हर काम देरी से करने की आदत के चलते उम्मीद पोर्टल पर वक़्फ़ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन अंतिम तारीख तक पूरा नहीं हो पाया । पहले तो मुस्लिम समुदाय के राजनीतिक लीडर्स और मजहबी लीडर्स ने ऐसा माहौल बनाया है कि वक़्फ़ अमेंडमेंट बिल 2025 रद्द करवा दिया जाएगा । लेकिन ऐसा हुआ नहीं। वक़्फ़ संपत्तियों के मुत्तवल्लि एक लंबे समय तक हाथ पर हाथ रखे बैठे रहे कि वक़्फ़ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं पड़ेगी । लेकिन जब लगा कि किसी भी स्थिति में रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ेगा तो फिर दिन रात करके उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए टूट पड़े । एक साथ रजिस्ट्रेशन की संख्या बढ़ने के कारण उम्मीद पोर्टल पर भी ट्रैफिक बढ़ गया और वक़्फ़ कमेटियों के जिम्मेदारों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी । कुछ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर समय बढ़ाने की मांग की तो किसी ने मोदी सरकार से कुछ समय देने की प्रार्थना की । लेकिन वक़्फ़ कमेटियों को कहीं से भी कोई राहत नहीं मिली । मरते क्या न करते की कहावत को चरितार्थ करते हुए आखिरी 5-10 दिन में उम्मीद पोर्टल पर वक़्फ़ संपत्तियां बड़ी संख्या में रजिस्टर्ड करवाई गईं । यदि वक़्फ़ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत 6 महीने पहले ही कर दी जाती तो जो वक़्फ़ संपत्तियां बिना रजिस्ट्रेशन के रह गई हैं, वह नहीं रहतीं। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजूजू ने अपने एक बयान में कहा कि अगले तीन महीने तक वक़्फ़ संपत्तियों के मुत्तवल्लियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो संपत्तियां तकनीकी कर्मियों के कारण उम्मीद पोर्टल पर रजिस्टर्ड नहीं हो पाई हैं उनके लिए वक़्फ़ ट्रिब्यूनल कोर्ट से समय लिया जा सकता है । वक़्फ़ ट्रिब्यूनल कोर्ट के पास 6 महीने तक समय बढ़ाने का अधिकार है । मुस्लिम समुदाय एवं वक़्फ़ कमेटियों को अब स्पष्ट संदेश मिल गया है कि सभी वक़्फ़ संपत्तियों का उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है । यदि कुछ संपत्तियां बिना रजिस्ट्रेशन के रह गई हैं तो वक़्फ़ बोर्ड कमेटियाँ वक़्फ़ ट्रिब्यूनल कोर्ट जाकर समय ले सकते हैं और बची हुई संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं । लेकिन मुस्लिम समुदाय को सबक लेने की जरूरत है कि सरकार के निर्देशों का शीघ्र पालन करने की जरूरत समझें । जब समय निकल जाता है या काम रह जाता है तब ही हमें कुछ करने की रुचि बढ़ती है, जो ठीक नहीं कहीं जा सकती है।

समता, न्याय और मानवता के अग्रदूत-डॉ. भीमराव अंबेडकर

6 दिसंबर का दिन भारतीय इतिहास में केवल एक तिथि भर नहीं है, बल्कि यह उस महामानव की स्मृति का दिन है जिसने सामाजिक असमानता, जाति व्यवस्था और मानव शोषण के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। यह दिन भारत के संविधान निर्माता, आधुनिक भारत के शिल्पकार, समाज सुधारक, मानवतावादी और क्रांतिकारी चिंतक डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जीवन केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं, बल्कि करोड़ों दलित-वंचित-पीड़ित समाज के संघर्ष, आशा और अधिकारों की कहानी है। 14 अप्रैल 1891 को महू (मध्यप्रदेश) में जन्मे डॉ. अंबेडकर का बचपन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में बीता। समाज की उस क्रूर व्यवस्था ने उन्हें स्पर्श तक अछूत समझा, पानी के घड़े तक से हाथ न लगाने दिया। परंतु अंबेडकर का व्यक्तित्व उन अपमानों से टूटने वाला नहीं था, बल्कि उन अनुभवों ने उनके जीवन को दिशा दी-कि भारत का वास्तविक निर्माण शिक्षा, समान अधिकार और सामाजिक न्याय के बिना संभव नहीं। डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक मुक्ति का सबसे शक्तिशाली हथियार माना। उनकी उपलब्धियां स्वयं में प्रेरणादायक हैं-कोलंबिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से कानून और अर्थशास्त्र की डिग्रियां, तथा अनेक विधाओं में शोध, लेखन और चिंतन। वे कहते थे-"शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।" यह संदेश आज भी हर शोषित, वंचित और न्याय के इच्छुक नागरिक के लिए मार्गदर्शन है। स्वतंत्र भारत के संविधान की रचना में डॉ. अंबेडकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने न केवल संविधान लिखा, बल्कि उसमें स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और न्याय जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों को भारतीय समाज की आत्मा बना दिया। उन्होंने भारतीय संविधान को केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि मानव अधिकारों का घोषणा पत्र बनाया। अनुच्छेद 17 द्वारा अस्पृश्यता का उन्मूलन, शिक्षा और अवसरों में समानता, दलित-वंचित समाज के लिए आरक्षण और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता-यह सब अंबेडकर की दूरदृष्टि और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का परिणाम है। उनके शब्द आज भी प्रेरित करते हैं- "कानून और व्यवस्था उस समाज के लिए अनिवार्य है, जो प्रगति की राह पर अग्रसर है।" भारतीय समाज अपने प्रारंभिक काल से ही जातिगत व्यवस्था और भेदभाव की चुनौतियों से जूझता आ रहा है। अंबेडकर ने अपने संघर्ष के केंद्र में सामाजिक समानता को रखा और कहा कि कोई राष्ट्र तभी सशक्त बन सकता है जब उसके सभी नागरिक बराबरी के अवसर प्राप्त करें। आज भी समाज में जाति आधारित भेदभाव, लिंग असमानता, आर्थिक विषमता, और सामाजिक बहिष्कार जैसे मुद्दे मौजूद हैं। इनमें सुधार लाने के लिए अंबेडकर के विचार स्पष्ट मार्गदर्शन देते हैं। उनका यह संदेश-'मैं किसी समाज की प्रगति को उस समाज में महिलाओं द्वारा प्राप्त स्थिति से मापता हूं' आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लिंग आधारित हिंसा, असमान वेतन, और महिलाओं के सीमित अधिकारों की चुनौतियां बताते हैं कि अंबेडकर की समानता की अवधारणा को लागू करने की आवश्यकता आज भी उतनी ही तीव्र है। अंबेडकर का मानना था कि कोई समाज तभी महान बन सकता है जब उसमें सभी व्यक्तियों को सम्मान और समान अवसर मिले। उन्होंने जातिवाद, भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक अन्याय के खिलाफ एक विचार आंदोलन खड़ा किया। उनका यह कथन आज भी सामाजिक चिंतन का आधार है- "मनुष्य की पहचान उसके जन्म से नहीं, उसके कर्म और सोच से होती है।" उनका मानवतावादी दृष्टिकोण विश्वस्तरीय था। वे केवल भारत के दलितों की आवाज नहीं थे, बल्कि वैश्विक मानवाधिकार आंदोलन के प्रवर्तक थे। जीवन के अंतिम चरण में उन्होंने यह महसूस किया कि जातिगत अन्याय केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और धार्मिक सोच का परिणाम है। इसलिए 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म स्वीकार किया। उनका बौद्ध धर्म स्वीकारना केवल आध्यात्मिक कदम नहीं, बल्कि समानता और स्वाभिमान की क्रांति था। आज भारत तकनीकी रूप से समृद्ध हो रहा है, परंतु सामाजिक असमानता, जातिगत हिंसा, अन्याय और भेदभाव के रूप अब भी मौजूद हैं। ऐसे समय में डॉ. अंबेडकर के विचार और भी अधिक आवश्यक हो जाते हैं। उनकी सोच हमें सिखाती है कि-समाज का विकास तभी संभव है जब सभी को बराबर अधिकार मिलें। संविधान का सम्मान ही लोकतंत्र की शक्ति है। शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाज जागृति का आधार हैं। डॉ. अंबेडकर केवल इतिहास के महान नेता नहीं थे, वे एक ऐसी विचारधारा हैं जो समय, समाज और पीढ़ियों को दिशा देती रहेगी। उनका जीवन संदेश देता है कि संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता। वे आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के प्रमुख शिल्पकार थे। उन्होंने संविधान के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय को संस्थागत स्वरूप प्रदान किया। उनकी निगरानी में लिखा गया संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का दस्तावेज है। आज भी लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा, प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और शासन की जवाबदेही जैसे मुद्दों पर व्यापक बहस होती है। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के इतिहास में उस प्रकाश-स्तंभ की तरह हैं, जिन्होंने अपने विचारों, संघर्षों और दूरदर्शी नेतृत्व से समाज को नई दिशा दी। वे केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे, बल्कि समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, शिक्षक, विधिवेत्ता और सामाजिक क्रांतियों के जनक भी थे। उनके संदेश शिक्षा, समानता, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के इर्द-गिर्द घूमते हैं। आज, जब समाज तेजी से बदल रहा है, तब अंबेडकर के विचार पहले से भी अधिक प्रासंगिक दिखाई देते हैं। डॉ. अंबेडकर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि समय से आगे सोचने वाले महान दूरदर्शी थे। उनके संदेश सामाजिक न्याय, शिक्षा, समानता, लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर आधारित हैं-और ये सभी मूल्य आज के भारत और विश्व में पहले से कहीं अधिक आवश्यक हैं। आधुनिक समाज में बदलती चुनौतियों, बढ़ती असमानताओं और लोकतांत्रिक संरचना के सामने खड़ी मुश्किलों के बीच अंबेडकर के विचार हमें सही दिशा दिखाते हैं। आज अंबेडकर की प्रासंगिकता केवल इसलिए नहीं है कि वे संविधान निर्माता थे, बल्कि इसलिए भी है कि उन्होंने मानवता को एक ऐसा रास्ता दिखाया, जिस पर चलकर हम एक बेहतर, न्यायपूर्ण और समानता पर आधारित समाज का निर्माण कर सकते हैं। उनकी विरासत हमें लगातार प्रेरित करती है कि हम न सिर्फ अपने लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए संघर्ष करें। 6 दिसंबर 1956 को डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इस संसार को विदा कहा और यह तिथि महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिन उनके महापरिनिर्वाण के साथ-साथ उनके विचारों, आदर्शों और योगदानों को याद करने का अवसर है। 6 दिसंबर का यह दिन हमें याद दिलाता है कि अंबेडकर भले ही शारीरिक रूप से इस दुनिया से विदा हो चुके हों, परंतु उनके विचार, सिद्धांत और मानवता के लिए उनका संघर्ष अमर है। आज, जब हम उन्हें श्रद्धा से नमन करते हैं, तो केवल पुष्प अर्पित करना ही पर्याप्त नहीं-बल्कि उनके सपनों के भारत को साकार करना हमारा सच्चा कर्तव्य है।

-बाबूलाल नागा

इब्ने अरबी - वहदत अल-वुजूद

-फ़ज़लुर्रहमान

Introduction: Ibn 'Arabî and Islamic mysticism

ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान में भी मुस्लिम जगत की रूहानी खोज और जानकारी को भुलाया नहीं जा सकता, जदीद साइंस आज भी इस संबंध में तहकीकात कर रही है। इब्ने अरबी जो 12वीं सदी के महान वैज्ञानिकों, विचारकों, सूफ़ीवादियों में शामिल थे, उनके संबंध में इस लिहाज़ से जानना ज़रूरी है कि कुरान मजीद की तालीमात में सूफ़ीवाद और तसव्वुफ के क्या राज़ हैं ? इस पर गहनता से विचार किया है।

इब्ने अरबी का पूरा नाम अबू अब्द बिन अल्लाह मोहम्मद इब्न अली इब्न मोहम्मद इब्न अल-अरबी अल-हातिमी अल-ताई अल-आंदालूसी अल-मूशी अल-दिमश्की है, जिन्हें अल-कुशैरी और सुल्तान अल-अरीफ़िन के नाम से भी जाना जाता है। यह मशहूर हातिम ताई के खानदान से ताल्लुक रखने वाले थे। यह सूफ़ीवाद के अभ्यासियों के बीच "शेख अल-अकबर " की सम्मानित उपाधि से प्रसिद्ध रहे हैं और इन्हें एक संत माना जाता था। मध्ययुगीन यूरोप में इन्हें डॉक्टर मैक्सिमस अर्थात 'महानतम शिक्षक के रूप में भी जाना जाता था। यह एक अरब अंदलुसी मुसलमान विद्वान, रहस्यवादी, कवि और दार्शनिक थे, जो इस्लामी विचारों के बेहद प्रभावशाली थे । इनके 850 कार्यों में से कुल 700 प्रामाणिक हैं जबकि 40 से अधिक अभी भी वर्तमान में उपलब्ध हैं। उनकी ब्रह्मांड संबंधी शिक्षाएँ इस्लामी दुनिया के कई हिस्सों में प्रमुख विश्व-दृष्टि बन गईं।

इनका जन्म 11 जुलाई 1165 ईस्वीं में मूरसिया, स्पेन में हुआ था और इनकी मृत्यु 16 नवंबर 1240 ई. में (उम्र 75 वर्ष) अल सलिहिया, दमिश्क में हुई थी। इब्न अरबी का पैतृक वंश दक्षिण अरब जनजाति से था और उनका मातृ वंश उत्तर अफ्रीकी था। उनके पिता अली इब्न मुहम्मद ने मर्सिया के शासक अबू अब्द अल्लाह मुहम्मद इब्न साद इब्न मर्दनीश की सेना में सेवा की। पिता की मृत्यु के बाद यह मर्सिया से सेविल में आ गए थे। इब्न अरबी सत्तारूढ़ दरबार में बड़े हुए और उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। एक युवा व्यक्ति के रूप में इब्न अरबी सेविल के राज्यपाल के सचिव बने। उन्होंने एक प्रभावशाली खानदानी परिवार की महिला मरियम से शादी की।

इब्ने अरबी , सुन्नी मसलक से थे, फिर भी उनका लेखन शियाओं के बीच भी लोकप्रिय था। इब्ने अरबी का लेखन मुसलमान अभिजात वर्ग तक ही सीमित नहीं था बल्कि सूफ़ी आदेशों की व्यापक पहुँच के माध्यम से समाज के अन्य वर्गों में अपनी जगह बनाई। इब्ने अरबी का काम फ़ारसी, तुर्कियाई और उर्दू के माध्यम से भी लोकप्रिय हुआ। कई लोकप्रिय कवियों को सूफ़ी आदेशों में प्रशिक्षित किया था और वे अरबी अवधारणाओं से प्रेरित थे। इब्ने अरबी लिखते हैं कि एक बच्चे के रूप में वे धार्मिक शिक्षा पर समय बिताने के बजाय अपने दोस्तों के साथ खेलना पसंद करते थे। उन्होंने अपनी किशोरावस्था में ख़ुदा की अपनी पहली दृष्टि देखी थी और बाद में "उस रूप में शामिल सार्वभौमिक वास्तविकता का भेदभाव" के अनुभव के बारे में लिखा था। बाद में उन्हें अल्लाह के कई और अनुभव हुए और उन्होंने उन्हें "अल्किलमाह मार्ग का पहला मार्ग-दर्शक" कहा गया (पैगंबरों के ज्ञान के मुख्य सिद्धांतों के अध्ययन और आंतरिककरण द्वारा ईश्वरीय सत्य को समझने का मार्ग)। उनके पिता ने उनमें हुए बदलाव पर ध्यान दिया और उनके संबंध में दार्शनिक व न्यायाधीश इब्ने रश्द से इसका उल्लेख किया था जिन्होंने उनको इब्न अरबी से मिलने के लिए कहा था। इब्ने अरबी ने कहा कि इस पहली मुलाकात से उन्होंने तर्क संगत विचार के औपचारिक ज्ञान और चीजों की प्रकृति में अंतर्दृष्टि के अनावरण के बीच अंतर को समझना सीखा था। इसके बाद उन्होंने सूफ़ीवाद को अपना लिया और अपना जीवन आध्यात्मिक मार्ग को समर्पित कर दिया। वे बाद में मोरक्को से फ़ेज़ चले गए, जहाँ मोहम्मद इब्न कासिम अल-तमीमी उनके आध्यात्मिक गुरु बने। 1200 ईस्वीं में उन्होंने अपने सबसे महत्वपूर्ण शिक्षकों में से एक शेख अबू याकूब यूसुफ इब्न यखलाफ अल-कुमी से इजाजत ली जो उस समय साले शहर में रह रहे थे।

इब्न अरबी ने 36 साल की उम्र में पहली बार अंदालुसिया छोड़ा और 1193 ईस्वीं में तूनिस पहुँचे। ट्यूनीशिया में एक साल के बाद वह 1194 ईस्वीं में आंदालुसिया लौट आये। इब्न अरबी के सेविल पहुँचने के तुरंत बाद उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। जब कुछ महीने बाद उनकी मां की भी मृत्यु हो गई, तो उन्होंने दूसरी बार आंदालुसिया छोड़ दिया और अपनी दो बहनों के साथ सन् 1195 में फ़ेज़, मोरक्को की यात्रा की। वह सन् 1198 में कोर्डोबा, आंदालुसिया लौट आये, और सन् 1200 में आखिरी बार जिब्राल्टर से आंदालुसिया को पार करके गये। वहाँ रहते हुए, उन्हें पूर्व की ओर यात्रा करने का निर्देश देने वाला एक दर्शन प्राप्त हुआ। माघरेब में कुछ स्थानों का दौरा करने के बाद उन्होंने 1201 में ट्यूनीशिया छोड़ दिया और 1202 में हज के लिए पहुँचे। वह तीन साल तक मक्का में रहे, और वहाँ उन्होंने अल-फुतुहात अल-मक्किया लिखना शुरू किया। डॉ. एरिक विंकल द्वारा अल-फुतुआत अल-मक्किया का अनुवाद किया गया है। मक्का में समय बिताने के बाद उन्होंने पूरे सीरिया, फिलिस्तीन, इराक और अनातोलिया का भ्रमण किया। 1204 ई में इब्ने अरबी ने शेख मजुद्दीन इसहाक इब्न यूसुफ से मुलाकात की जो मलत्या के मूल निवासी थे और सलजूक़ अदालत में एक महान व्यक्ति थे। इस समय इब्ने अरबी उत्तर की ओर यात्रा कर रहे थे, सबसे पहले उन्होंने मदीना का दौरा किया और 1205 ई. में उन्होंने बगदाद में प्रवेश किया।

शेष अगले अंक में

हमारे नबी स.अ.व. दुनिया के मुफ़क्किरीन की नज़र में

-हबीबुल्ला एडवोकेट

हमारे नबी स.अ.व. के बारे में कुरआने हकीम की सूरत अंबिया की आयत नं. 107 में अल्लाह तआला ने फरमाया है कि "और हमने नहीं भेजा आपको मगर तमाम जहानों के लिये रहमत" इस आयत से जाहिर है कि हमारे नबी स.अ.व. सिर्फ मुसलमानों के लिये नहीं भेजे गये हैं बल्कि आप स.अ.व. तमाम कायनात और इंसानियत के लिये नबीये रहमत बनाकर भेजे गये हैं। अल्लाह तआला का इंसानियत पर यह बड़ा एहसान है कि उसने एक ऐसी ज़ात को मबऊस किया (यानि भेजा) जिन के बारे में एक मुमताज आलिम अल्लामा सैयद सुलेमान नदवी ने अपनी किताब "मोहम्मद स.अ.व. और मिसाली नबी" में फरमाया है कि वोह अच्छी तरह बाखबर नबी हैं, खुदा के हुक्म के गवाह हैं, खुश-खबरी वाले हैं, गुमराह को खुदा के रास्ते की तरफ लाने वाले हैं, आप स.अ.व. एक ऐसी चमकती हुई रोशनी हैं जो अन्धेरों को दूर करती है और सीधा रास्ता दिखाती है"। नदवी मज़ीद कहते हैं कि "हिन्दुओं, सिखों, ब्राह्मण, समाजियों और दीगर की एक अच्छी तादाद ने आप स.अ.व. के बारे में लिखा है। यूरोप में भी मुफक्किरीन ने इस्लाम और नबी स.अ. व। के बारे में अपनी रायों और ख्यालात का इज़हार किया है। दमिश्क के एक अदबी मुजल्ले (रिसाला) में जिसका नाम "अलमुकतबिस" है, में तकरीबन 15 साल पहले हमारे नबी स.अ.व. की जिन्दगी पर यूरपी कामों को एक फहरिस्त शाया की थी, जिसमें तेरह हज़ार (13000) किताबें दर्ज थीं। जिनमें हमारे नबी स.अ.व. की जिन्दगी और आप के तरीकेकार और इसलाहे इनसायत के कारे नुमायां पर तफ़सील के साथ अपने- अपने ख्यालात का अलग-अलग मुसन्निफों ने आप स.अ.व. की इमेतियाज़ी शान बान की है"।

जॉर्ज बरनाडशाह इंग्लिसतान का एक माया नाज़ फलसफी है। वोह एक मुलहिद (खुदा को न मानने वाला) शख्स है, लेकिन हुज़ूर सरवटे कायनात स.अ.व. की सवाने हयात और फ़लसफ़ाये जिन्दगी ने उसे भी इस बात को तसलीम करने पर मजबूर कर दिया कि आंहज़रत स.अ.व. आलमे इन्सानियत के निजात देहिंदा थे। जॉर्ज बरनाडशाह फरमाते हैं कि "मैंने हमेशा मुहम्मद स.अ.व. को बड़ी कदरों मंजिलत की नज़र से देखा क्योंकि उनके अन्दर हैरतअंगेज़ ज़िन्दगी पाई जाती है मेरे नज़दीक मुहम्मद स.अ.व. का मज़हब ही एक ऐसा मज़हब है जिसके अन्दर हर जमाने की जरूरतों को पूरा करने की सलाहियत मौजूद है"।

बिला शुबह दुनिया को चाहिये कि मेरे जैसे बड़े आदमी की पेशीन गोइयों को अज़हद कदरो मनज़िलत के चुनाचि मुहम्मद स.अ.व. के मज़हब की निसबत मेरी पेशीन गोई यह है कि इमरोज़ व फरदा में यूरोप इसी को कुबूल कर लेगा। मैंने इस हैरतअंगेज इंसान मुहम्मद स.अ.व. की जिन्दगी का मुताला किया है और मेरी राय यह है कि मुहम्मद स.अ.व. को हज़रत ईसा स.अ. और ईसाइयत का मुखालिफ़ तो नहीं बल्कि आलमे इंसानियत का निजात देहेन्दा समझा जाना चाहिये । मुझे यकीन है कि अगर मुहम्मद स.अ.व. जैसा आदमी मौजूदा दुनिया का डिक्टेटर बन जाये तो उसे मौजूदा दुनिया की उन तमाम उलझनों को सुलझा देने में ऐसी कामयाबी होगी कि दुनिया को जिस अमन व शांति की इस कदर ज़रूरत है वोह अमन और शादयानी दुनिया को हासिल हो जायेगी।

बरनाडशाह कहते हैं कि उन्नीसवीं सदी में यूरोप ने इतनी तरक्की हासिल नहीं की थी उस वक्त भी यूरोप के अन्दर कार लाइल, गोइटे और गिबन जैसे ईमानदार मुफक्किरीन मौजूद थे । जिन्होंने मुहम्मद स.अ.व. के मज़हब की हकीकत कदरो मंजिलत पहचान ली थी और इसलिये उनके ज़माने से इस्लाम के साथ यूरोप के तर्ज़ अमल में एक खुशगवार तबदीली शुरू हो गयी थी। मगर दौरे हाज़िर के यूरोप को मोहम्मद स.अ.व. के मज़हब के साथ ज्यादा से ज़्यादा उंसियत होती जा रही है। बीसवीं सदी तक यूरोप के कदम इस मामले में और ज़्यादा बढ़ जायेंगे और यूरोप अपनी उलझनों को सुलझाने के बाब में मुहम्मद स.अ.व. के मज़हब की फाइदा रसानी को महाइल करेगा ।

खैर यह तो आइन्दा की बात है लेकिन इस वक्त भी मेरे बहुत से हम कौमों और दूसरे यूरोपियन लोगों ने मुहम्मद स.अ.व. का मज़हब इखतियार कर लिया है और इस तरह यूरोप ने इस्लाम के सामने सरे तसलीमे खम करना शुरू कर दिया है (अज़ कुतुब मखजने तसव्वुफ)।

बरनाड शाह की यह पेशीनगोई आज सही साबित हो रही है। यूरोप के मुमालिक और दीगर दुनिया के मुल्कों में इस्लाम तेजी से फैल रहा है और लोग अपनी मौजूदा जिन्दगी से बेज़ार होकर इस्लाम कबूल कर रहे हैं। बरनाडशाह की पेशीनगोई सच साबित हो रही है।

माइकल एच हार्ट ने अपनी किताब "दी हन्ड्रेड" जिस में दुनिया की 100 अज़ीम हस्तियों और उनके कारनामों पर रोशनी डाली है। माइकल एच हार्ट ने हमारे नबी स.अ.व. को नम्बर एक पर रखा है। वोह कहते हैं कि "मुहम्मद स.अ.व. दुनियां की मोअस्सर तरीन शख़्सियतों में सरे फहरिस्त रखने के मेरे इन्तेख़ाब से बहुत से लोग हैरत में पड़ सकते हैं और कुछ दीगर सवाल भी कर सकते हैं । लेकिन तारीख में मुहम्मद स.अ.व. वाहिद ऐसे शख्स थे जो मज़हबी और जमहूरी यानि दुनियावी दोनों एतबार से दोनों में बयक वक्त सबसे ज़्यादा कामयाब रहे"।

जर्मनी युफ़क्किर गोइटे ने कहा है कि अगर इस्लाम के मायने अल्लाह के सामने सरे तसलीमे खम करना है तो हम सब इस्लाम में जीते हैं और इस्लाम में मरते हैं। यह अकलो हकीकत से हम आहंग हैं और इसे जल्द या देर से तसलीम करना ही पड़ेगा।

थामस कारलाइल (यू के स्कॉटलेंड) ने इस्लामी मर्कज़ी तसव्वुर को बयान करते हुए कहा है कि रसूल स.अ.व. के उसूलों पर साबित कदम, मेहरबान, मुखलिस, परहेज़गार और हिकमत व शुजाअत में आला थे। आप एक अजीमुश-शान इंसान थे, एक खामोश और संजीदा रूह जो पूरे दिलो जान से मुखलिस थे"।

एलफोनजे डी लमर टाइन (फ्रांस) ने अजमते रसूल स०अ.व. को यूं बयान किया है कि "अगर इंसान की अज़मत का पैमाना अजीम मकसद, महद्वद वसाइल और शानदार नताइज हैं तो कौन-सा इंसान है जो मुहम्मद स.अ.व. से मुकाबला कर सके। आप स.अ.व. फ़लसफ़ी, खतीब, रसूल, कानून साज़ इफकार के फ़ातेह और रूहानी सल्तनत के बानी थे।

शेष अगले अंक में

गुलाम वंश का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक था

यौमे वफात (1 दिसम्बर, 1210)

दिल्ली सल्तनत का पहला शासक कुतुबुद्दीन ऐबक, जिसने गुलाम वंश की नींव रखी थी, ऐबक का अर्थ होता है- चंद्रमुखी । 1206 ई० में कुतुबुद्दीन ऐबक के द्वारा गुलाम वंश की स्थापना हुई। कुतुबुद्दीन ऐबक का शासन काल सिर्फ चार वर्ष तक चला, कुतुबुद्दीन ऐबक मुहम्मद गौरी का गुलाम था।

कुतुबुद्दीन ऐबक ने मुहम्मद गौरी की मृत्यु के बाद स्वयं को लाहौर में एक स्वत्रंत शासक घोषित किया तथा उसने अपनी राजधानी "लाहौर" को बनाया, कुतुबुद्दीन ऐबक का राज्याभिषेक 24 जून 1206 ई० में लाहौर में हुआ था। कुतुबुद्दीन ऐबक ने बाद में दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया तथा दिल्ली सल्तनत की स्थापना की। कुतुबुद्दीन ऐबक ने सिंहासनरुढ़ होते समय 'मलिक' एवं 'सिपहसालार' की उपाधियाँ धारण कीं, कुतुबुद्दीन ऐबक को कुरान खाँ कहा जाता था, क्योंकि वह कुरान का सुरीला पाठ करता था, ऐबक को अपनी उदारता व दानी प्रवृत्ति के कारण 'लाखबख्श' (लाखों का दानी) भी कहा गया। फरिश्ता के अनुसार कुतुबुद्दीन ऐबक के समय किसी भी दानशील व्यक्ति को ऐबक की उपाधि दी जाती थी।

कुतुबुद्दीन ने दिल्ली में 'कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद' तथा अजमेर में 'अढ़ाई दिन का झौपड़ा' निर्मित करवाया। ऐबक ने दिल्ली में स्थित चौहान कालीन 'किला-ए-रायपिथौर' नामक दुर्ग के निकट एक शहर का निर्माण कराया, जिसे दिल्ली के सात शहरों में पहला शहर कहा जाता है।

कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली के प्रसिध्द चिश्ती संत "शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी" की याद में कुतुबमीनार का निर्माण कराया, ऐबक के दरबार में हसन निजामी और फखरुद्दीन आदि विद्वानों का निवास था । हसन निजामी की रचना "ताज-उल-मासिर" है । कुतुबुद्दीन ने इल्तुतमिश को 1197 ई० के अन्हिलवाड के युध्द के दौरान खरीदा और 1210 ई० में लाहौर में चौगाना (पोलो) खेलते समय घोड़े से गिरने के कारण कुतुबुद्दीन की मृत्यु हो गयी । ऐबक को लाहौर में दफनाया गया तथा कुतुबुद्दीन ऐबक का मकबरा भी लाहौर में स्थित है । कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के बाद उसके पुत्र 'आरामशाह' को शासक घोषित किया गया । आराम शाह एक कमज़ोर शासक था। यह स्पष्ट नहीं है कि वह ऐबक का पुत्र था या नहीं। उसके विरुद्ध कुछ सरदारों ने षड़यंत्र रचकर शम्सुद्दीन इल्तुतमिश को शासक बनने के लिए आमंत्रित किया था।

झोटवाड़ा में 'जस्टिस उजाला' का नया ऑफिस शुरू

-उपासना बाजार में लॉ फर्म लॉन्च, वरिष्ठ अधिवक्ता और परिवार हुए शामिल

-जस्टिस उजाला की नई शुरुआत—पीड़ित को मिलेगा न्याय

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के झोटवाड़ा स्थित उपासना बाजार में रविवार को एक विशेष अवसर रहा। कानूनी सेवाओं और न्यायिक सहायता को मजबूत करने के उद्देश्य से "फॉर जस्टिस उजाला – द लॉ फर्म" के नए कार्यालय का विधिवत उद्घाटन वरिष्ठ अधिवक्ता, परिजनों और समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया। सुबह 11 बजे से ही कार्यक्रम स्थल पर चहल-पहल शुरू हो गई । स्वागत डेस्क पर फूलों की मालाएं, प्रवेश द्वार पर गुब्बारों की सजावट और कार्यालय के अंदर नई-बनावट के इंटीरियर ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। विधिवत,के साथ उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत हुई। डायरेक्टर वसीम छिपा की भावुक अभिव्यक्ति,इस दौरान फॉर जस्टिस उजाला दा लॉ फर्म के डायरेक्टर वसीम छिपा ने कहा- आज मेरे परिवार के सहयोग, आशीर्वाद और मेरे आत्मविश्वास ने इस फर्म को आकार दिया है। वर्षों से न्याय के क्षेत्र में काम करते हुए जो अनुभव मिला, अब वह हर जरूरतमंद के साथ बाँटने का समय है। हमारा यह कार्यालय उन पीड़ित लोगों के लिए रहेगा, जिन्हें न्याय पाने तक दस्तावेजी, कानूनी और सलाह से मजबूती मिल सके।"

उन्होंने आगे कहा- अब न्याय के लिए झोटवाड़ा कार्यालय में संपर्क करें, हमारी फर्म हर कमजोर,परेशान या कानूनी उलझनों में फंसे व्यक्ति के लिए समर्पित रहेगी।" परिवार और वरिष्ठों की मौजूदगी ने बढ़ाई शोभा- उद्घाटन में वसीम छिपा के माता-पिता, भाई-बहन एवं करीबी रिश्तेदार शामिल हुए। वरिष्ठ अधिवक्ता, कानूनी सलाहकार और अन्य पेशेवर साथी भी उपस्थित रहे। सभी ने वसीम को शुभकामनाएं दीं।वरिष्ठों द्वारा शपथनुमा शब्दों के साथ वसीम छिपा को आशीर्वाद दिया गया—न्याय के लिए संघर्ष हमेशा कठिन होता है, लेकिन वकालत में दृढ़ निष्ठा और ईमानदारी ही सफलता दिलाती है। नई शुरुआत का यह दिन समाज हित में बड़ा कदम है।" "यह नया कार्यालय आज उन आशाओं का केंद्र बनेगा, जो किसी न किसी कानूनी न्याय की प्रतीक्षा में हैं।

सभी नागरिक अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सजग रहें- डॉ. बी.एल. जाटावत

-एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर। एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संविधान दिवस पर एपीजे अब्दुल महासंघ, राजस्थान एवं एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष हारुन खान ने की। विशिष्ट ट्रस्टी प्रोफेसर फैयाज मलिक ने किया मुख्य अतिथि डॉक्टर डॉ. बी.एल. जाटावत ने संविधान के बारे में बताते हुए सभी को संविधान द्वारा दी गई शक्तियां एवं कर्तव्य के बारे में बताते हुए सभी को इस पर अमल करने की आवश्यकता बताई । संविधान दिवस पर डॉक्टर सउद अख्तर पूर्व सचिव राजस्थान मदरसा बोर्ड ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉक्टर राजीव चौधरी, सत्येंद्र बसवाल RACS, जोईन्ट डायरेक्टर फाइनेंस एनएचएम, डॉ. ओमप्रकाश बसवाल, उपनिदेशक यूनानी चिकित्सा विभाग, अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रवक्ता वकी अहमद, पवन कलाम हॉस्टल के प्रांगण में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के जनरल सैक्रेटरी हाजी सईद अहमद ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बी.एल. जाटावत, सेनि. आईएएस थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी अतिथि मुकेश मीणा प्रधान टोडाभीम एवं राजस्थान हाईकोर्ट के एडवोकेट समसुलर फाइन थे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के जनरल सैक्रेटरी हाजी सईद अहमद ने किया। मुख्य अतिथि एवं सभी अतिथियों का सम्मान ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष डॉक्टर नजमुद्दीन एवं ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ जिला जयपुर के जिला अध्यक्ष मोहम्मद उमर एवं कुमार सैनी, रेलवे, एडवोकेट सुरेश यादव, रेलवे को-ऑपरेटिव पूर्व पबंधक, सत्यनारायण यादव, परमेश्वर चंद्र सेन, IRPS, डॉक्टर रुस्तम खान, इंचार्ज एसएमएस ओपीडी होम्योपैथी चिकित्सा विभाग, एडवोकेट सरदार खान नर्सिंग ऑफिसर, मुकेश बुनकर, सलीम मोहम्मद, सेनि. सीटीआई रेलवे, अजहरूल इस्लाम अख्तर सहित अनेक समाज के अनेक बुद्धिजीवी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. जाटावत ने एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी द्वारा SIR को लेकर जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी द्वारा SIR को लेकर सनिवार 6 दिसंबर को जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया गया । नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी की अध्यक्ष निशात हुसैन ने बताया कि जिन-जिन लोगों का नाम मतदाता सूचि में किसी भी कारणवश आने से रह गया है, उन सबको समझाकर फॉर्म नम्बर छह (6) को भरवाना है, ताकि उसका नाम मतदाता सूचि में आ सके । इस काम को करवाने के लिए नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी कि एक टीम लोगों का मार्ग-दर्शन करेगी, एरिया के बीएलओ के साथ मिलकर उक्त फॉर्म भरवाने में मदद करेगी।

बिना अनुमति बनी 5 मंजिला इमारत पर चला JDA का बुलडोज़र

-रिहायशी प्लॉट पर होटल निर्माण,लापरवाही ने बढ़ाया खतरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के मालवीय नगर इलाके में स्थित गिरधर मार्ग पर जेडीए का चला पीला पंजा,देखते ही देखते 5 मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। जेडीए ने निर्माणाधीन होटल धराशायी कर दी। इसे गिराने से पहले बिल्डिंग की संरचना को कमजोर करने के लिए जेसीबी मशीनों से ड्रिलिंग की गई थी। होटल के मालिक जेडीए की कार्रवाई का विरोध करने पहुंचे। इस दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से बहस हो गई। आरोप है कि उन्होंने बताया- पॉलिटिक्स पावर का इस्तेमाल किया गया है। एक भी लीगल टीम नहीं आई। हमारे आर्किटेक्ट से बात नहीं की। हमने नगर निगम से परमिशन ली है। इसके लिए 1 लाख 25 हजार रुपए हमने निगम में जमा कराया था। अब बिल्डिंग को अवैध बता कर तोड़ा गया है। नियमों के विपरीत बनाया गया था होटल,जेडीए के जोन-1 के तहसीलदार शिवांग शर्मा ने बताया- रेजिडेंशियल क्षेत्र में बिना अनुमति कॉमर्शियल एक्टिविटी के लिए नियम विपरीत होटल बनाया गया। इसमें बेसमेंट भी है। JDA के डिप्टी इन्फोर्समेंट ऑफिसर इस्लाम खान ने कहा- इस निर्माण को लेकर प्राधिकरण से किसी तरह की कोई अनुमति नहीं ली गई। मालवीय नगर के सेक्टर-9 (अमित भारद्वाज पेट्रोल पंप के सामने) में 90 गज एरिया में होटल का निर्माण करीब-करीब पूरा हो गया था। शनिवार को बेसमेंट के पास खुदाई के दौरान होटल में दरारें पड़ गई थीं। साथ ही, होटल एक तरफ झुक गया है। इमारत को दो क्रेन लगाकर सपोर्ट दिया गया था।

मुस्लिम फोरम ने कहा- बाबरी आज भी फैसले का इंतजार कर रही

-आने वाली नस्लों को नाइंसाफी की याद दिलाने के लिए, यह कार्यक्रम हर वर्ष होगा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में—अयोध्या विवाद के 33 साल बाद भी बाबरी मस्जिद को इंसाफ नहीं मिला... इसी मांग के साथ रविवार 6 दिसम्बर को एमडी रोड स्थित मुस्लिम मुसाफिर खाने में राजस्थान मुस्लिम फोरम की ओर से सामूहिक दुआ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में समुदाय के लोग यहां पहुंचे और बाबरी मस्जिद के लिए न्याय की दुआ की। कार्यक्रम में जमाते इस्लामी हिंद के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाजीमुद्दीन ने कहा कि मंदिर को खंडित कर मस्जिद नहीं बनाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इंसाफ नहीं था, और आज भी बाबरी मस्जिद न्याय की प्रतीक्षा में है। उन्होंने कहा कि भारत का मुस्लिम अमनपसंद है, लेकिन आज उसे लगातार सताया जा रहा है। मुस्लिम फोरम की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में शौकत कुरैशी, इलियास कुरैशी, वकार अहमद, डॉ. शाहबुद्दीन, हाफिज मंजूर अली और मुजाहिद नकवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में बाबरी मस्जिद की बहाली और न्याय की मांग को एक बार फिर मुखरता से उठाया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं को कहां की आने वाली नस्लों को नाइंसाफी की याद दिलाने के लिए यह कार्यक्रम हर वर्ष आयोजित होता रहेगा।

सेंट सोल्जर कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के भगवान दास मार्ग, सी-स्कीम में स्थित सेंट सोल्जर पीजी कॉलेज फॉर गर्ल्स में मंगलवार 2 दिसंबर 2025 को एक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह शिविर एचडीएफसी बैंक और नवजीवन ब्लड बैंक के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और इसके जीवन रक्षक महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। शिविर में रक्तदान करने वालों को पुष्प व शॉल उड़ाकर उनका स्वागत भी किया गया।

वाहिद नकवी अध्यक्ष, मोहम्मद असलम खान महासचिव निर्वाचित

-दी बार एसोसियेशन वक्फ जयपुर के चुनाव सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दी बार एसोसियेशन वक्फ जयपुर के चुनाव मंगलवार दिनांक 2 दिसंबर को सम्पन्न हुए। इस चुनाव में अब्दुल वाहिद नकवी अध्यक्ष, मोहम्मद असलम खान महासचिव निर्विरोध चुने गए तथा इसी दिन निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की कमेटी भी बनाई गई। यह चुनाव सुनील माथुर एडवोकेट, अंसार अहमद एडवोकेट एवं अनवर खान एडवोकेट की निगरानी में सम्पन्न हुए।

चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों के ठिकानों एवं निवास स्थानों पर पुलिस ने दी दबिश

-327 अपराधियों को किया गया गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस कमिश्नर जयपुर सचिन मित्तल के आदेशानुसार एवं विशेष पुलिस आयुक्त राहुल प्रकाश के निर्देशन में उक्त अभियान में पुलिस आयुक्तालय जयपुर के सभी पुलिस उपायुक्त के पर्यवेक्षण में ऑपरेशन व्रज प्रहार के तहत अपराधियों के विरुद्ध चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों की धरपकड़ एवं गिरफ्तारी के लिए 06 दिसम्बर 2025 को एरिया डॉमिनेशन के तहत कार्यवाही की गई। एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही में आयुक्तालय के सभी डीसीपी को चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों की सूचिया तैयार कर उनकी धरपकड़ के लिए विभिन्न टीमें गठित करने के निर्देश दिये गये। सभी पुलिस उपायुक्त ने चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों की सूची तथा Raid teams एवं Raid routs तैयार कर दिनांक 06 दिसम्बर 2025 को धरपकड़ एवं गिरफ्तारी की कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही अति गोपनीय और सुव्यवस्थित तरीके से की गयी जिसमें अपराधी एक दूसरे को सतर्क न कर सके। चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों का चिन्हिकरण कर इनकें ठिकानों और इनकी गतिविधियों की जानकारी एवं निगरानी के लिये पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह, अति. पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध श्रीमन लाल मीणा एवं उनकी टीमों द्वारा विगत कुछ समय से तैयारी की गयी थी। अपराधियों की आसूचना संकलन करने के पश्चात संजीव नैन, पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व), हनुमान मीणा, पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम), करण शर्मा, पुलिस उपायुक्त, जयपुर (उत्तर) व राजर्षि राज, पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) के नेतृत्व में अपराधियों के ठिकानों पर दबिश, गिरफ्तारी व कार्यवाही के निर्देश दिये गये जिस पर चारों जिलों के पुलिस उपायुक्त द्वारा जयपुर शहर के समस्त वृताधिकारी व थानाधिकारियों के सुपरविजन में टीमें गठित हुयी। इस कार्यवाही में सीएसटी/डीएसटी एवं थाना पुलिस की टीमें गठित की गयी और संयुक्त रूप से गठित टीमों ने पुरे जयपुर शहर में 1074 स्थानों पर एक साथ दबिश देकर अपराधियों को घेरा। आपराधिक ठिकानों की गहन तलाशी की गयी। पुलिस टीमों के द्वारा की गयी कार्यवाही के फलस्वरूप पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे कुल 327 अपराधियों को गिरफ्तार किया जिसमें आर्म्स एक्ट में 13, आबकारी अधिनियम में 21, एनडीपीएस एक्ट में 13, अन्य एक्ट में 03, पूर्व के प्रकरणों में 51, धारा 129 बीएनएसएस में 20, धारा 170 बीएनएसएस में 222, धारा 126/135 बीएनएसएस में 05, धारा 141 बीएनएस 01, स्थाई / गिरफ्तारी वारंटों में 21 अपराधियों को गिरफ्तार किया एवं 43 संदिग्ध वाहन जब्त किये गये।

जामिया तैयब एजुकेशन सोसाइटी द्वारा लगाए गए पक्षियों के लिए सर्दी के घौंसले

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर स्थित जामिया तैयबा एजुकेशन सोसाइटी द्वारा शुक्रवार 05 दिसंबर को जयपुर शहर के कई धार्मिक स्थानों पर सर्दी से बचाव के लिए पक्षियों के लिए घौंसले लगाए गए जैसे-जैसे सर्दी का मौसम बदल रहा है और कई पक्षी प्रजातियां घौंसले बनाने (Nesting.season)के लिए तैयार हो रहे हैं । यह समय है कि हम सब मिलकर इन नन्हे जीवों के घरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें । पक्षियों के घौंसले केवल टहनियां और पत्तियों के ढेर नहीं, बल्कि उनके अंडे सेहने, बच्चे को पालने और उन्हें शिकारी से बचाने का एक सुरक्षित ठिकाना होते हैं ।

जामिया तैयब एजुकेशन सोसाइटी की सभी से गुज़ारिश है कि अपने-अपने घरों की बालकनी या बगीचों में पक्षियों के लिए सुरक्षित स्थान जैसे छोटे कृत्रिम घौंसले या पानी के बर्तन प्रदान करें । पक्षियों के लिए घौंसले लगाते समय इस संस्था जुड़े कारी मोहम्मद इसहाक, डॉ. शाहज़ेब, निसार भाई, फरमान, अख्तर, साकिब, मेहरूननिशा, यासमीन, शर्मिला आदि मौजूद रहे।

वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण में सवाई माधोपुर शत प्रतिशत लक्ष्य की ओर

-731 वक्फ प्रॉपर्टीज़ को उम्मीद पोर्टल पर किया अपलोड

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिले में वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण कार्य में सराहनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। सवाई माधोपुर जिला वक्फ कमेटी सदस्य अब्दुल हासिब एडवोकेट ने रॉयल पत्रिका संवाददाता शादाब अली से बातचीत करने पर बताया कि 7 दिसंबर तक जिले की कुल 731 वक्फ प्रॉपर्टीज़ को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है, जिनमें से 645 संपत्तियाँ फाइनल सबमिट की जा चुकी हैं। तकनीकी कमियों, सर्वर डाउन रहने तथा अन्य कारणों से 74 वक्फ संपत्तियाँ दो या अधिक बार पोर्टल पर चढ़ गईं, जिनमें से कुछ को अप्रूव भी किया जा चुका है। इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मदरसा तालीमुल इस्लाम, अंसारी मोहल्ला में एक विशेष सर्वर रूम बनाया गया, जिसमें मदरसा प्रबंधन और सदर द्वारा दिया गया सहयोग सराहनीय है।

डिजिटलीकरण अभियान के दौरान उम्मीद पोर्टल की मॉनिटरिंग, प्रशिक्षण, तकनीकी जानकारी और टीम को समय-समय पर अपडेट देने का कार्य जिम्मेदारीपूर्वक किया गया। जिले के बुज़ुर्गों एवं नौजवानों ने विश्वास, सहयोग और मार्गदर्शन से एकजुट होकर टीम का उत्साह बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप पूरी टीम ने दिन-रात परिश्रम कर सवाई माधोपुर जिले की वक्फ संपत्तियों की अपलोडिंग को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में जिला वक्फ कमेटी सवाई माधोपुर के सदर असरार अहमद एडवोकेट, सचिव मौलाना शहाबुद्दीन, सदस्य अब्दुल हासिब एडवोकेट, शहर क़ाज़ी निसार उल्लाह, पूर्व सदर मोहम्मद उमर, डॉ. अकरम, डॉ. अखलाक, हाफिज़ शादाब, इरशाद, काशिफ खान, अफ़ाक़, फरमान, परवेज़, मुस्तुफा, सरफराज, रईस, ताहिर खान, कैफ, अब्दुल कलाम, शफीक भाई, आज़म (मलारना डूंगर), मुमताज़ एडवोकेट (बोली तहसील) और मुजाहिद (गंगापुर सिटी) का सराहनीय योगदान रहा। इसके साथ ही जिला अल्पसंख्यक अधिकारी मनोज कुमार मीना का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा।

नए और पुराने गजट के अनुसार जिले में वक्फ संपत्तियों का कुल आंकड़ा 642 है, जिनमें सवाई माधोपुर तहसील में 303, बोली में 189, खंडार में 59, बामनवास में 27 और गंगापुर सिटी में 64 संपत्तियाँ शामिल हैं। इसके विपरीत उम्मीद पोर्टल पर अपलोड का आंकड़ा 731 तक पहुँचा, जिनमें से 645 फाइनल सबमिट की जा चुकी हैं। यह उपलब्धि जिले में वक्फ संपत्तियों के संरक्षण, पारदर्शिता और तकनीकी सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और टीमवर्क तथा निष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

थाना संजय सर्किल के अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही

-दो शातिर मुल्जिमान मकसूद खान व शेर सिंह को किया गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा IPS ने बताया कि पुलिस थाना संजय सर्किल जयपुर उत्तर पर परिवादी धीरज कुमार द्वारा दिनांक 21.11.25 को परिवादी के घर से मोबाइल और 10000 रूपये चोरी हो जाने के संबंध में पेश रिपोर्ट पर एफ.आई.आर. नम्बर 237/25 धारा 305 (A) BNS दर्ज कर माल मुल्जिमानकी पतारसी हेतु मन उमेश बेनीवाल पु०नि० थानाधिकारी संजय सर्किल के नेतृत्व में टीमें गठित की गई। गठित टीमों द्वारा प्रकरण में कार्यवाही करते हुये आसपास के सीसीटीवी फूटेज के विश्लेषण व तकनीकी आधार पर मोबाइल व रूपये चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले मुलजिम मकसूद खान पुत्र मुस्ताक खान उम्र 23 साल झोटवाडा जयपुर को चिन्हित कर थाना संजय सर्किल के प्रकरण संख्या 237/25 धारा 305 (A) BNS में दिनांक 02.12.25 को गिरफ्तार किया गया था जिससे अनुसंधान कर चोरी के मोबाइल खरीदने वाले मुलजिम शेर सिंह पुत्र करण सिंह जाटव उम्र 23 साल निवासी गाँव बनकी पुलिस थाना नई मण्डी, हिण्डोन सिटी 05.12.25 को गिरफतार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफतारशुदा मुल्जिमान के कब्जे से चोरी के कुल दो मोबाइल व रूपये बरामद किये गये हैं। गिरफ्तार शुदा मुल्जिमान से चोरी / छीने गये मोबाइलों की अन्य वारदातों के संबंध में अनुसंधान जारी है।

हैड कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक बने पुलिसकर्मियों का समाजसेवी माजिद सलीम द्वारा स्वागत कार्यक्रम आयोजित

-नवनियुक्त महिला थानाधिकारी आशा रानी बारहट का भी किया सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका) । बारां अंजुमन कमेटी के सदर व नेशनल टेलर एंड रेडिमेट के संचालक, समाजसेवी माजिद सलीम द्वारा निजी आवास पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हाल ही में पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक (ASI) बनने पर फरीदुद्दीन कुरैशी, दिलीप सिंह, विनोद जी, हरिनारायण नागर, विजेंद्र राठौर, घनश्याम योगी, बलराम नामदेव, आशीष यादव, नदीम अहमद, धर्मपाल जी, सौभाग मीणा, नेमीचंद जी, मुकुट बिहारी मीणा, गिर्राज मेहरा, नरेंद्र गुर्जर, नेमीचंद जी, श्रीमती रजिया, तमन्ना परवीन, दिनेश जी का माला पहनाकर शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया ओर बेहतर भविष्य की बधाई दी गई। कार्यक्रम में नवनियुक्त महिला थानाधिकारी आशा रानी बारहट का सम्मान किया गया। वहीं पीजी कंपलीट होने पर डॉक्टर इफ्तिखार अहमद का भी सम्मान किया गया। इसके अलावा राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर मास्टर शौकत अंसारी का भी सम्मान किया गया। अतिथि के रूप में बोलते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा

के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ मजीद मलिक कमांडो ने कहा कि प्रमोशन होने पर आप सभी को बधाई। आप समाज की समस्याओं को जल्द सुलझाए ओर अपराधों में कमी लाए आपसे यही अपेक्षा है। महिला थानाधिकारी आशा रानी बारहट ने कहा कि बारां से मेरा विशेष लगाव है। में शहर की अपेक्षा पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी और अपराध में कमी लाने ओर महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों में भी कमी लाने के लिए प्रयास करूंगी। अंत में समाजसेवी माजिद सलीम ने आए हुए सभी अतिथियों ओर पुलिसकर्मियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में शहर काजी अब्दुल कय्यूम साहब, अब्दुल लतीफ फॉरवर्ड, सुरेश गोयल, साजिद सलीम, आदित्य भारद्वाज, डॉ. अहसान अंसारी, जाकिर मंसूरी, शाहिद कुंडी, मोहम्मद आसिफ भाईजान, एडवोकेट फिरोज खान, इकबाल नेता, सईद भाई डिस्क, उमर वेल्डर, इमरान अंसारी फॉरवर्ड, असलम मंसूरी, युवा नेता वाजिद सलीम, डॉक्टर हाजी अब्दुल रशीद, मोहम्मद रफीक मीठीया, आजाद अंसारी, मास्टर शाहिद, डॉ वसीम अहमद, माशूक अली चिश्ती, शेख बहादुर, एडवोकेट फ़रातुन निशा, आरज़ू अंसारी, फरीदा शेख, मास्टर मुन्ना खान, नईम टेलर, अकील अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन दिव्य प्रहार झालावाड़ पुलिस की बड़ी कार्यवाही

-भू-माफियाओं में एवं नशा तस्करों में मचा हड़कंप

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। पुलिस विभाग के द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन दिव्य प्रहार' के तहत नशे के सौदागरों के खिलाफ सबसे बड़ी कार्यवाही की। तस्करों द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई करीब 125 करोड़ की संपत्ति पर ताला जड़ दिया है।जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में चलाए गए "ऑपरेशन दिव्य प्रहार" के तहत नशा तस्करी से कमाई गई करीब 125 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों को स्थायी रूप से फ्रीज कर दिया गया है। इस कार्रवाई में लग्जरी मकान, पेट्रोल पंप, कृषि भूमि, कॉमर्शियल प्लॉट और गाड़ियां तक शामिल हैं। पूरी ऑपरेशन के लिए पुलिस ने लगभग तीन महीने की गोपनीय रणनीति और तैयारी की थी, जिसके बाद यह बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने तस्करों द्वारा काली कमाई से अर्जित की गई। 107 संपत्तियां को स्थाई रूप से फ्रीज कर दिया है।ऐसे में जिला पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में नशा माफियाओं पर अब तक की इतिहास की सबसे बड़ी आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक के रूप में देखा जा रहा है। इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने 5 दिसंबर 2025 को जानकारी देते हुए बताया कि झालावाड़ जिले भर में मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

अपनाते हुए ऑपरेशन दिव्य प्रहार की शुरुआत की गई थी। नशा माफिया के खिलाफ बड़ी आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक की है ऐसे में तस्करों के द्वारा अर्जित की गई काली कमाई को जड़ से खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि जिलेभर के मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ पुलिस की MOB शाखा लगातार पिछले कई महीनों से डाटाबेस तैयार कर रही थी। इसके लिए पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई थी। MOB टीम द्वारा सबसे पहले मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त आरोपियों की आय से अर्जित की गई संपत्तियों का चिह्नीकरण किया गया। बाद में उन संपत्तियों का बाजार मूल्य से आंकलन कर मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की गई।

IP।IT एनडीपीएस एक्ट के तहत झालावाड़ में पहली कार्यवाही-

नशा तस्कर को निरुद्ध कर जेल भेजा, उन्होंने बताया कि 4 महीने में पुलिस ने 78 मुकदमे दर्ज कर ऑपरेशन दिव्य प्रहार के तहत 128 आरोपियों को गिरफ्तार किया।वहीं इस अभियान के तहत नशे की कमाई से अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर बेशकीमती सरकारी भूमि व वन भूमि को भी अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत गिरफ्तार किए गए नशे के सौदागरों के द्वारा अवैध मादक पदार्थ जिसमे 3 किलो 418 ग्राम, अफीम 4 किलो 783 ग्राम, डोडा चुरा 484 किलो, 51 डोडा चूरा चरस 482 ग्राम, एमडीएमए 62।21 ग्राम बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा तस्करों की फ्रिज की गई संपत्तियों में 29 मकान दो दुकान, एक प्लांट, पेट्रोल पंप, 16 मोटरसाइकिल 10 ट्रक कंटेनर को जप्त किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ रुपए है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के जन्मदिन पर 104 यूनिट रक्तदान

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र से सांसद और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के जन्मदिन के अवसर पर किशोरपुरा ईदगाह में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन एहसान अंसारी ओर जीशान कड़क के द्वारा किया गया जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित भी किया गया। एहसान अंसारी ने बताया कि लोगों के द्वारा डोनेट किया गया खून किसी बीमार की जान बचा सकता हे। सभी स्वस्थ व्यक्ति को छह महीने में एक बार रक्तदान करना चाहिए, ताकि शरीर भी स्वस्थ रह सके। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के जन्मदिन पर आयोजित शिविर में 104 यूनिट रक्तदान किया गया।

रामगंज मंडी के वरिष्ठ पत्रकार साबिर भाई उमराह से लौटे

डॉक्टर तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी के वरिष्ठ पत्रकार साबिर भाई मक्का मदीना से उमराह कर रामगंजमंडी लौटे वरिष्ठ पत्रकार साबिर खान का नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन बाबेल, कांग्रेस नेता विजय गौतम, नूर मोहम्मद और अदनान अली ने साफा व माला पहनाकर किया स्वागत किया । राम साबिरभ मक्का मदीना पहुंच कर खाना काबा उमराह किया और अपने वतन हिंदुस्तान के लिए एवं हिंदुस्तान वासियों के लिए अमन चैन की दुआएं मांगी, हिंदुस्तान हमेशा तरक्की करें और आपस में मोहब्बत आपस में भाईचारा हमेशा कायम रहे दुआ मांगी।

गृह रक्षा संगठन की 63वीं वर्षगांठ पर जिले में हर्षोल्लास से मनाया गया स्थापना दिवस

बारां (रॉयल पत्रिका)। गृह रक्षा संगठन की स्थापना की 63वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शनिवार को गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, बारां में 63वां स्थापना दिवस समारोह पूर्ण हर्षोल्लास एवं गरिमामय माहौल में मनाया गया। मुख्य समारोह की शुरुआत सहायक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके बाद निदेशालय गृह रक्षा राजस्थान, जयपुर से प्राप्त महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, भारत सरकार के गृह सचिव गोविन्द मोहन, राजस्थान के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, गृह रक्षा एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराडी, तथा महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा राजस्थान मालिनी अग्रवाल सहित विभिन्न विशिष्टजनों के संदेश पढ़कर सुनाए गए। अपने संबोधन में सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने गृह रक्षा स्वयंसेवकों के निस्वार्थ सेवाभाव, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आपदा

राहत कार्यों में उनके अद्वितीय योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में होमगार्ड स्वयंसेवकों और आरक्षी बिरदीचंद के नेतृत्व में आकर्षक परेड का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अनुशासन, कौशल और शौर्य का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह के दौरान वर्षभर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्र द्वारा पिछले दिनों कबड्डी, दौड़, रस्साकशी एवं यातायात हेलमेट जागरूकता रैली जैसे विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर महानिदेशक, गृह रक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा कमाण्डेन्ट सीमा पारीक को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों के लिए 'महानिदेशक डिस्क' एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। समारोह में विभागीय अधिकारी, आमजन एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। केन्द्र प्रमुख ने सभी स्वयंसेवकों एवं उनके परिवारों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संगठन के आदर्शों पर चलते हुए समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

रात्रि चौपाल जनसुनवाई: दीगोदपार में जिला प्रशासन ने सुनी समस्याएं

-कई मामलों का हुआ मौके पर निस्तारण

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने शुक्रवार को किशनगंज पंचायत समिति की दीगोदपार ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल का आयोजन किया। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। चौपाल में कुल 56 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से कई का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु भी मौजूद रहे।

साफ-सफाई, फसल खराबा, नेटवर्क व पेयजल मुख्य मुद्दे रहे-

ग्रामीणों ने चौपाल में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था, फसल खराबे का मुआवजा, मोबाइल नेटवर्क की समस्या, हैंडपंप मोटर, तथा पेयजल आपूर्ति में सुधार जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए। इसके अलावा अतिक्रमण को हटाने, रास्तों की मरम्मत, बिजली सप्लाई, और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों पर भी आवेदन दिए गए।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश-

जिला कलक्टर तोमर ने सभी विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र व प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को बिना विलंब समाधान करना है। इस दौरान कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को हाथों-हाथ दिशा-निर्देश जारी किए गए।

ग्रामीणों ने जताया संतोष-

रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाएं, किसान एवं बुजुर्ग भी शामिल हुए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन द्वारा समस्याएं सुनने और तत्काल कार्रवाई करने के प्रयासों की सराहना की।

जिला स्तरीय अधिकारी रहे मौजूद-

चौपाल में जिले के सभी जिला स्तरीय अधिकारी, पंचायत समिति के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न विकास योजनाओं व सरकारी सेवाओं की जानकारी भी दी। रात्रि चौपाल देर शाम तक चली, जिसमें प्रशासन ने जनसमस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समाधान का आश्वासन दिया।

जागरूकता शपथ का उत्साह चरम पर राजकीय विद्यालयों में हजारों विद्यार्थियों ने ली एक साथ शपथ

-विद्यार्थियों ने अभिभावकों को भी जागरूक करने का लिया संकल्प
-ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों तरीकों से नागरिक ले रहे हैं शपथ

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। उपभोक्ता अधिकारों को जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील द्वारा चलाया जा रहा 30 दिवसीय 'कंज्यूमर वॉइस न्यायोत्सव' प्रभावी परिणाम दे रहा है। न्यायोत्सव के तहत ली जा रही उपभोक्ता जागरूकता शपथ के प्रति जिले में उत्साह चरम पर है। आयोग अध्यक्ष मील ने बताया कि शनिवार को जिले के राजकीय विद्यालयों के हजारों विद्यार्थियों ने एक साथ उपभोक्ता जागरूकता शपथ ली। विद्यार्थियों ने हर खरीद पर बिल लेने की आदत विकसित करने, मानक चिन्हित उत्पादों की पहचान और गलत व्यापार, कार्य व्यवहार की स्थिति में आयोग से न्याय पाने की प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने की शपथ ली। विद्यार्थियों ने यह जागरूकता अपने अभिभावकों में भी विकसित करने व राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर 1915 के प्रति भी जागरूकता की अलख जगाने का संकल्प लिया।

गुरु-शिष्यों ने एक साथ ली शपथ-

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा के निर्देशन में अनूठी पहल यह देखने को मिली कि जागरूकता शपथ शिक्षकों और विद्यार्थियों यानी गुरु-शिष्यों ने एक साथ ली। शपथ की खास बात यह रही कि इसमें संविधान को साक्षी माना गया। गौरतलब है कि कंज्यूमर्स वॉइस न्यायोत्सव के तहत जिले में एक लाख से अधिक लोगों को शपथ दिलवाने का लक्ष्य रखा गया था, जो कि महज 13 दिवस में ही पूर्ण होने के करीब है। आयोग द्वारा जारी किए गए क्यूआर कोड एवं लिंक पर भी जाकर कोई भी व्यक्ति उपभोक्ता जागरूकता की शपथ लेकर ऑनलाइन शपथ प्रमाण पत्र डाउनलोड कर सकता है।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय सुकेत में संजू मीणा ने प्रिंसिपल का पदभार ग्रहण किया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेतम राजकीय माध्यमिक विद्यालय में प्रिंसिपल संजू मीणा ने प्रिंसिपल क पदभार ग्रहण किया इस मौके पर एसडीएमसी मेंबर डॉक्टर अब्दुल रऊफ तोहिद भूतपूर्व उप प्रधान सुनीगौतम भूतपूर्व सरपंच मनोहर शर्मा मेंबर फिरोज मंसूरी चोपड़ा जी मेहरा जी मास्टर साहब विष्णु प्रसाद कोहली आदि लग उपस्थित रहे। सभी एसडीएम सी मेंबर का परिचय कराया। प्रिंसिपल संजू मीणा ने बताया कि स्कूल के बाउंड्री वॉल के अंदर कैमरे लगे हुए हैं जिनको शरारती तत्वों द्वारा तोड़ दिया गया है और विद्यालय के अंदर छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय एवं मूत्रालय की बहुत बड़ी कमी है। इसको और अधिक

मात्रा में बनाया जए जिससे छात्रों छात्रों लाइन लगाना पड़ती है । स्कूल की बाउंड्रीवल के अंदर कुछ लोगों ने अतिक्रमण करके अपने घर बना लिए जो स्कूल के क्लासों के बिल्कुल करीबहै इससे दिन भर वहां रहने वालों का आना जाना लगा रहता है एवं स्कूल के अंदर पौधा लगाएं गए थे। वहां सब नष्ट हो गए हैं। स्कूल बवंडरी वाल का गेट पर लगा ताला भी कई बार तोड़ दिया गया है यह सभी बिंदु पर विचार विमर्श किया गया है। सुनील गौतम ने कहा कि सभी समस्याओं को हल कर वाया ने की कार्रवाई करेगे ।

अंता नवनियुक्त पुलिस उप अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह हाड़ा का स्वागत किया

अंता (रॉयल पत्रिका)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के जिला युवा कार्यक्रम सलाहकार सदस्य अताउल्ला खान बालाखेड़ा ने अंता उप अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस उप अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह हाडा को पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

गीतांजली हॉस्पिटल की डॉ. परिस्तिश कामदार, राष्ट्रीय संवेदना पुरस्कार से सम्मानित

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। मनोचिकित्सकों के सबसे बड़े संगठन इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकियाट्री (आईपीपीआई) के 26वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के मनोचिकित्सा विभाग कि डॉ. परिस्तिश कामदार को प्रतिष्ठित 'संवेदना महिला पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह शोध पत्र किशोरों के लिए स्कूलों के कोर्स में भावनात्मक—व्यवहारिक समस्याएँ, दुर्व्यवहार, तनाव और आत्मसम्मान के मानसिक-जनसांख्यिकीय निर्धारक: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन के लिए प्रस्तुत किया गया। यह शोध पत्र वरिष्ठ मनोचिकित्सक एवं मार्गदर्शक डॉ. जितेन्द्र जींगर, डॉ. मनु शर्मा, डॉ. अंजलि शर्मा, डॉ. परिस्तिश कामदार, डॉ. छायाँक आचार्य तथा डॉ. आदित्य बोराते की संयुक्त टीम द्वारा तैयार किया गया था। शोध में पाया गया कि किशोरों में शारीरिक मानसिक दुर्व्यवहार, तनाव और कम आत्मसम्मान का स्तर उनके सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि, परिवार के प्रकार, माता-पिता की शिक्षा और आय जैसे कारकों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह अध्ययन किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नीति-निर्माण और स्कूलों के पाठ्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करता है। गीतांजली हॉस्पिटल के डीन डॉ. संगीता गुप्ता ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार न केवल डॉ. परिस्तिशा कामदार की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे उदयपुर और राजस्थान के मनोचिकित्सा जगत के लिए गौरव की बात है।

राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान का संभागीय सम्मेलन संपन्न

-400 से अधिक सेवानिवृत पुलिसकर्मियों ने लिया सहभाग पुलिस कल्याण बोर्ड गठन की मांग जोरदार

शब्बीर हुसैन

किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान जिला बारां द्वारा संभाग स्तरीय स्नेहमिलन एवं सम्मान समारोह शनिवार को भारत माता कॉलेज, किशनगंज में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह में हाड़ौती संभाग से 400 से अधिक सेवानिवृत पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बारां के 99 वर्षीय पूर्व विधायक शिवनारायण नागर, 1967 के पूर्व विधायक नंदलाल मीणा, 1972 के पूर्व विधायक रामगोपाल जारवाल, वर्तमान विधायक डॉ. ललित मीणा तथा पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष नवनीत महर्षि ने की। अति विशिष्ट अतिथियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटा विजय स्वर्णकार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बारां कालूलाल वर्मा, प्रदेश सचिव सुखदेव व्यास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पी. पी. गौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

सुरेंद्र दानोदिया, चमनलाल मीणा, पूर्व एडीएम बारां रामप्रसाद मीणा, पेंशनर समाज जिलाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नंदलाल पवन, घनश्याम शर्मा, नरेंद्र कासठ, अजय भार्गव, डीएसपी अनीश अहमद, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ललिता लोधा एवं संभागीय उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा,संस्थान के कोटा जिलाध्यक्ष तेजराज सिंह, झालावाड़ जिलाध्यक्ष मुबारिक खान, बूंदी जिलाध्यक्ष प्रेमचंद गौचर सम्भागीय प्रवक्ता इस्लाम अली मौजूद रहे। अतिथियों का कॉलेज पहुंचने पर बैंड-बाजे, पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

पुलिस कल्याण बोर्ड गठन की उठी मांग-

अपने संबोधन में संस्थान के प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला संरक्षक डॉ. मजीद मलिक कमांडो ने प्रदेश में सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पर पुलिस कल्याण बोर्ड का गठन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर मुख्य अतिथि विधायक डॉ. ललित मीणा ने आश्वस्त किया कि वे विधानसभा में इस मांग को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने संस्थान के कार्यों की सराहना की और कोटा, बूंदी, झालावाड़ व बारां जिलों से आए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ सदस्यों एवं विशिष्ट प्रतिभाओं का सम्मान-

समारोह में 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ सदस्यों बिरधीचंद, अली मोहम्मद, राधाकिशन मीणा, हामिद अली, सुल्तान खान, जीवनलाल यादव, गनी मोहम्मद आदि को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही 1986 बैच के पुलिस अधिकारी डॉ. मजीद मलिक कमांडो, सत्यनारायण सिंह, लक्ष्मीनारायण, कुलदीप सिंह, लक्ष्मण सिंह, रौनक अली, नंदसिंह, छीतरलाल आदि को सम्मान प्रदान किया गया। विशेष उपलब्धियों के लिए पूर्व पुलिस अधिकारी खजान सिंह (एशिया कप पदक विजेता), साहित्यकार सुनील शर्मा, शिक्षाविद ए. जी. मिर्जा, कवि बाबू बंजारा, सीए मुस्सवीर खान, एडवोकेट अशोक बादल, गुड्डू धनवां, लोक कलाकार बाबूलाल सुमन, समाजसेवी शेख बहादुर तथा खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु डॉ. अरमान मलिक को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन-

समारोह का सफल संचालन सुनील शर्मा ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में जिलाध्यक्ष भारत सिंह ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनभागीदारी से चलने वाला एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन है "स्वच्छता अभियान"- राठौड़

-पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने चूरू नगरपरिषद मुख्यालय स्थित पंखा सर्किल पर सार्वजनिक शौचालय का किया लोकार्पण, घर—घर कचरा संग्रहण हेतु 35 ऑटो टिपरों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

चूरू (रॉयल पत्रिका)। नगरपरिषद मुख्यालय स्थित पंखा सर्किल पर बुधवार को पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी चन्दनमल बहड़ सर्किल के पास चूरू नगरपरिषद द्वारा 34 लाख की लागत से नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा घर—घर कचरा संग्रहण हेतु 35 नए ऑटो टिपरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि नगरपरिषद द्वारा शहरवासियों की सुविधा एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए लगातार जनहित के कार्य किए जा रहे हैं। नए ऑटो टिपर और सार्वजनिक शौचालय की सुविधा से स्वच्छता अभियान को नई गति मिलेगी तथा शहर का पर्यावरण और भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को साकार करते हुए हम स्वच्छ, स्वस्थ व सुंदर चूरू बनाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने जा रहे है और इन दो वर्षो में प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि

जनभागीदारी से चलने वाला एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन है। उन्होंने कहा कि नगरपरिषद की इस पहल से चूरू शहर स्वच्छता की दिशा में नई मिसाल कायम करेगा। चूरू वासी शहर को स्वच्छ रखने में प्रत्येक नागरिक आगे आए और शहर में कचरा पृथकीकरण और स्वच्छता बनाए रखने में पूरा सहयोग दें।चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि शहर के विकास के लिए स्वच्छता सबसे पहला कदम है। नए ऑटो टिपरों के आने से घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था और सुदृढ़ होगी, जिससे शहर का वातावरण स्वच्छ व स्वस्थ रहेगा। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि प्रशासन शहरों की सभी आवश्यक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सार्वजनिक शौचालय और कचरा संग्रहण व्यवस्था के लिए नए ऑटो टिपरों से जनसुविधाएं और बेहतर होंगी। नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बताया कि चूरू नगरपरिषद शहर में स्वच्छता और सफाई व्यवस्था को नई तकनीक और बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ा रही है। इस दौरान जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, प्रधान दीपचंद राहड़, बसंत शर्मा, चंद्राराम गुरी, भास्कर शर्मा, विमला गढ़वाल, सुशील लाटा, अभिषेक चोटिया, नरेन्द्र काछवाल, विक्रम कोटवाद, मोहन गढ़वाल, सुरेश सारस्वत, धर्मेंद्र राकसिया, श्रीराम पीपलवा, पूर्णिमा यादव, सुनील, इरफान खान, सत्तार खान, नरेन्द्र कंवल, अख्तर खान, महेश मिश्रा, आकाश सैनी, सुरेश मिश्रा सहित शहरवासी मौजूद रहे। संचालन रवि दाधीच ने किया।

बेहतरीन पुस्तक समीक्षा लिखने वाले विद्यार्थियों-शिक्षकों को किया सम्मानित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने पुस्तक अभिरूचि प्रतियोगिता में बेहतरीन पुस्तक समीक्षा लिखने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र व पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पुस्तकालय अभिरूचि प्रतियोगिता शिक्षक वर्ग में जिला स्तर पर सरदाशहर ब्लॉक के राउमावि मेहरी प्राचार्य सुनील कुमार शर्मा प्रथम, सुजानगढ़ ब्लॉक के राउप्रावि नंबर 10 के अध्यापक पवन कुमार शर्मा द्वितीय व तारानगर ब्लॉक के राउमावि भाडंग के प्रधानाचार्य रामनिवास तृतीय स्थान पर रहे। इसी क्रम में विद्यार्थी वर्ग में जिला स्तर पर राउमावि बीरमसर की तनीशा प्रथम, राउमावि गाजुसर की

द्रोपदी द्वितीय व सेठ जुहारमल सेठिया राउमावि चाड़वास की पूजा बावरी तृतीय स्थान पर रही। ब्लॉक स्तर पर बीदासर में पिन्टु घिंटाला द्वितीय, दिव्या मेघवाल तृतीय, रतनगढ़ ब्लॉक में की दिव्या शर्मा द्वितीय, श्रवण तृतीय, राजगढ़ ब्लॉक की विदुषी प्रथम, मोनिका द्वितीय व सेनू तृतीय, तारानगर ब्लॉक में अजय योगी प्रथम, प्रीति कुमारी द्वितीय व मोनिका तृतीय, सुजानगढ़ ब्लॉक में अंजलि प्रजापत प्रथम, इनाया पड़ियारा द्वितीय व शारदा तृतीय, चूरू ब्लॉक में सुष्मिता प्रथम, अभिषेक द्वितीय, देवेन्द्र तृतीय तथा सरदारशहर ब्लॉक में दीक्षा प्रथम, गुंजन शर्मा द्वितीय स्थान पर सम्मानित हुए।

रायला में थानाधिकारी मूलचंद ने संभाला कार्यभार

-बोले- 'आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर' ही मेरी प्राथमिकता

रायला/बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। पुलिस निरीक्षक मूलचंद ने गुरुवार को रायला पुलिस थाने के नए थानाधिकारी के रूप में विधिवत कार्यभार संभाल लिया है। इससे पूर्व वे बनेड़ा थाने में पदस्थापित थे, जहां से उनका स्थानांतरण रायला किया गया है। पदभार ग्रहण करने के दौरान जिला प्रभारी सोनू खान कायमखानी और रायला उप सरपंच आरिफ बिसायती ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया।

अपराधियों को सख्त संदेश-

कुर्सी संभालते ही नए थानाधिकारी मूलचंद ने अपने इरादे जाहिर कर दिए। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता "आमजन का भरोसा जीतना और अपराधियों में कानून का भय कायम रखना" होगी। उन्होंने साफ किया कि थाने में फरियाद लेकर आने वाले हर व्यक्ति की समस्या का निष्पक्ष समाधान किया जाएगा और काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ट्रैफिक और युवा अपराध पर

नजर-

थानाधिकारी ने क्षेत्र की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा कि बढ़ते ट्रैफिक दबाव, युवाओं में पनप रही अपराध प्रवृत्ति और गांवों में होने वाली छोटी-मोटी आपराधिक गतिविधियों पर उनकी विशेष नजर रहेगी। उन्होंने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जनसहभागिता (Public Participation) बढ़ाने पर जोर दिया। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि नए थानाधिकारी के अनुभव से क्षेत्र में शांति व्यवस्था सुदृढ़ होगी और लंबित मामलों का निस्तारण तेजी से होगा।

सांचौर के नेहड़ क्षेत्र में भवातड़ा सूखा बंदरगाह बनाने की कवायद तेज, युवाओं को रोजगार की उम्मीद जगी

-रणखार में 56 हजार बीघा खाली पड़ी सरकारी जमीन

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। नेहड़ क्षेत्र के भवताड़ा ग्राम पंचायत के राजस्व गांव रणखार में सूखा बंदरगाह बनाने की योजना को केंद्र सरकार के बाद राज्य सरकार की ओर से भी प्राथमिकता देने से विकास की दृष्टि से पिछड़े हुए क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित होने की उम्मीद जाग गई है यहां व्यापारिक दृष्टि से भी उम्मीदों को नए पंख लगा सकेंगे भवताड़ा में सूखा बंदरगाह बनने से रोजगार के साथ-साथ व्यापारिक दृष्टि से क्षेत्र का विकास होगा। राज्य में बंदरगाह नहीं होने की वजह से देश और विदेश से मंगाया जाने वाला लदान गुजरात से सड़क से परिवहन होने की दशा में महंगा पड़ता है वही सुख बंदरगाह बनने पर व्यापार के लिहाज से इस क्षेत्र में बड़ी मदद मिल सकेगी। राजस्थान के निकटतम गुजरात का कांडला बंदरगाह है। जहां से राज्य में उत्पादित वस्तुओं व आवश्यक वस्तुओं का आयात निर्यात किया जाता है। भवातड़ा बंदरगाह विकसित होने की दशा में सूखा बंदरगाह के रूप में विकसित होने वाला यह देश का प्रथम बंदरगाह बन

सकता है वहीं दूसरी और पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर,जैसलमेर में कच्चे तेल व गैस की संभावनाओं के साथ-साथ जालौर जिले के बाड़मेर,सांचौर बेसिन में गैस पर तेल की संभावनाओं की वजह से बहुत बड़ा बंदरगाह से व्यापार की नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है। वहीं जिले में उत्पादित होने वाला ग्रेनाइट, जीरा,गवार, बाजार का निर्यात करने के लिए यह बंदरगाह का आसानी से सुलभ हो सकता है कम खर्चे में परिवहन के रूप में माल की सप्लाई की जा सकती है। इस क्षेत्र में सरकारी 56 हजार बीघा जमीन जो दलदल के रूप में पडती है जिसका कोई उपयोग नहीं है जिस पर किसी प्रकार की ना तो कोई आबादी है,और नहीं किसी प्रकार का कब्जा है। इस भूमि पर लवणीय पदार्थ होने के साथ लूनी नदी के बहाव क्षेत्र में आने के कारण उक्त भू भाग दलदल में होने से इस भू भाग को किसी विशेष कार्य में नहीं लिया जा सकता है वही लूनी नदी के प्रवाह क्षेत्र में आने के कारण यह भू भाग कच्छ रन से सीधा अरब सागर में जाकर मिलता है इसी रास्ते को 500 मीटर चौड़ी 20 मीटर गहरी नहर के रूप में विकसित कर भवातड़ा के रण खार में बंदरगाह का मुख्य स्टेशन निर्मित किया जाएगा।

वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर्ड किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी कैलाश शर्मा के साथ राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा नॉमिनेटेड अत्ताउल्लाह हक के चुरू पहुंचने पर और चूरू की तरफ से वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष आजम अली खान व रिटायर्ड एसबीआई बैंक अधिकारी डॉ. मुस्तकीम शेख और शिक्षाविद हाजी युसूफ अली खान चौहान, नियमित काफी दिनों से वक्फ की संपत्तियों को रजिस्टर्ड करने के लिए अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आपने बताया कि अभी तक जिले भर से लगभग 300- 350 संपत्तियों के रजिस्टर्ड के लिए आवेदन-पत्र आए हुए हैं। जो उम्मीद पोर्टल पर चढ़ाए दिए गये हैं। जिसमें मस्जिद, मदरसा, खानकाए,दरगाह,कब्रिस्तान,आदि संपत्तियों का विवरण है। अल्पसंख्यक समाज ने आए हुए अधिकारियों और उन सक्षम लोगों का जिन्होंने वक्फ संपत्तियां के संरक्षण के लिए अपना कीमती समय दिया और सहयोग किया उन सभी का आभार व्यक्त किया।

दुधवा खारा ग्राम पंचायत भवन में नि:शुल्क जांच परामर्श शिविर आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती दुधवा खारा पंचायत में नि शुल्क जांच परामर्श शिविर आयोजित धर्मनाथ क्लिनिक पंखा रोड चूरू के द्वारा लगाया गया। जिसमें सैकड़ो रोगियों ने लाभ लिया और शिविर में सभी रोगियों को दवाइयां फ्री दी गई। जिसमें डॉक्टर अरविंद सैनी ने अपनी सेवाएं दी और जन सेवा विकास समिति दुधवा खारा द्वारा सहयोग किया गया एवं व्यवस्था दी गई। शिविर में अस्थमा और सीओपीडी रोगियों की फेफड़ों की जांच स्पाइस मशीन द्वारा की गई जिसमें सहयोगी भूमिका

योगेश, राहुल,बंटी,जुबेर,आवेश एडवोकेट, प्रवीण शर्मा ने अपनी सेवाएं दी। और दुधवा खारा स्वास्थ्य हरित मंच ने सहयोग किया। केम्प में ग्राम पंचायत से समिति अध्यक्ष डॉ. मुस्तकीम अली शेख,कोषाध्यक्ष राजेंद्र बुडानिया, ओमप्रकाश कस्वा, रोशन खा, सुरेश कस्वा,महावीर प्रसाद, आदि ने आभार व्यक्त किया।

दाई हलीमा हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका) । प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के अंतर्गत मंगलवार 09 दिसंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक दाई हलीमा मैटरनिटी एण्ड जनरल हॉस्पिटल, भीलवाड़ा में गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क जाँच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा पूर्णतः निःशुल्क जाँच एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर में आने वाली गर्भवती महिलाओं को आवश्यकता के अनुसार मेडिसिन एवं पोषाहार किट भी निःशुल्क वितरित की जाएगी। यह आयोजन सोशल वेलफ़ेयर सोसाइटी, भीलवाड़ा के सौजन्य से किया जा रहा है।

6 माह के शिशु की भोजन नली में फंसा कड़े का झूमर निकाला

-नन्हें बच्चे को मिली नई ज़िंदगी

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर के कान, नाक एवं गला रोग विभाग (ENT) की विशेषज्ञ टीम ने एक 6 माह के शिशु की भोजन नली में फंसे कड़े के झूमर (Foreign Body) को सफलतापूर्वक निकालकर बच्चे को नया जीवन प्रदान किया। यह अत्यंत जटिल व संवेदनशील सर्जरी थी, जिसमें टीम ने उच्च दक्षता और तत्परता का परिचय दिया। इस सफल ऑपरेशन में ENT विभाग की डॉ. अनामिका, डॉ. हिमांशु जोशी व टीम, एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. स्वप्निल, तथा PICU के डॉ. रामकेश मीणा का विशेष योगदान रहा। OT स्टाफ मयंक व उनकी टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिशु को सांस लेने में समस्या और दूध न पी पाने पर पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तुरंत गीतांजली हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। यहाँ जांच में पता चला कि बच्चे की भोजन नली में धातु का झूमर फंसा हुआ है, जो श्वासनली पर भी दबाव डाल रहा था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ENT सर्जन डॉ. अनामिका को तत्काल बुलाया गया। बच्चे को डॉ. रामकेश मीणा के निरीक्षण में PICU में भर्ती कर आवश्यक जांचें की गईं। वस्तु की पुष्टि होने पर तुरंत Rigid Esophagoscopy (दूरबीन द्वारा ऑपरेशन) करने का निर्णय लिया गया। कुछ ही समय

में ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ और बच्चे की भोजन नली से कड़े का झूमर सुरक्षित निकाल लिया गया। अब बच्चा पूर्ण रूप से सुरक्षित है और स्वस्थ है।

अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण संदेश-

चिकित्सकों ने अपील की है कि छोटे बच्चों को धातु के झुमके, छोटे खिलौने, सिक्के, बैटरी और अन्य छोटी वस्तुओं से दूर रखें। इन्हें निगलने से जीवन के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है। गीतांजली हॉस्पिटल एक टर्शरी केयर मल्टी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल है यहाँ के कान, नाक एवं गला रोग विभाग में सभी एडवांस तकनीके व संसाधन उपलब्ध हैं जिससे जटिल से जटिल समस्याओं का निवारण निरंतर रूप से किया जा रहा है। गीतांजली हॉस्पिटल पिछले 18 वर्षों से सतत रूप से हर प्रकार की उत्कृष्ट एवं विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है एवं जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाएं देता आया है।

गीतांजली हॉस्पिटल में फेफड़ों के कैंसर का निदान एवं उपचार पर हुआ विशेष संगोष्ठी का आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में आज गीतांजली कैंसर सेंटर और डिपार्टमेंट ऑफ रेस्पिरेटरी एंड पल्मोनरी मेडिसिन द्वारा "फेफड़ों के कैंसर का निदान एवं उपचार" विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में फेफड़ों के कैंसर से जुड़े विभिन्न पहलुओं—जैसे निदान की चुनौतियाँ, EBUS की भूमिका, आधुनिक उपचार पद्धतियाँ, सर्जिकल अप्रोचेस और रेडियोथेरेपी के महत्व—पर विशेषज्ञ वक्ताओं डॉ. गौरव छाबड़ा, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. रेनू मिश्रा, डॉ. आशीष जखेटीया और डॉ. रमेश पुरोहित ने

विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित डॉक्टरों और रेसिडेंट्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. (प्रो.) हरप्रीत सिंह ने बताया कि ऐसी शैक्षणिक गतिविधियाँ डॉक्टरों को नवीनतम चिकित्सा तकनीकों से जोड़ती हैं और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। संगोष्ठी में जीएमसीएच के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, पीजी, रेसिडेंट और जूनियर डॉक्टर उपस्थित रहे।

पेंशनर्स 20 दिसंबर 2025 तक जमा करवाएं जीवन प्रमाण—पत्र

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज्य सरकार ने राज्य पेंशनर्स के जीवन प्रमाण—पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 20 दिसम्बर 2025 निर्धारित की है। कोषाधिकारी प्रवीण कुमार सिंघल ने बताया कि चूरू जिले में जिन पेंशनर्स ने जीवन प्रमाण — पत्र अभी तक प्रस्तुत नहीं किया है, उनकी माह दिसंबर, 2025 की पेंशन विभाग द्वारा जारी नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि पेंशनर्स की सुविधा हेतु कोष एवं उपकोष कार्यालय में हेल्प डेस्क की सुविधा शुरू की जा चुकी है। इसलिए पेंशनर्स अपनी सुविधा अनुसार ऑनलाइन अथवा कोष/उपकोष कार्यालय में उपस्थित होकर जीवन प्रमाण पत्र अद्यतन करवा सकते हैं। कोषाधिकारी ने सभी पेंशनर्स से अपील की है कि पेंशनर्स 20 दिसंबर 2025 तक अपना जीवन प्रमाण—पत्र अनिवार्य रूप से अद्यतन करवाएं ताकि उन्हें पेंशन भुगतान में कोई विलंब नहीं हो।

सांचौर में स्मैक और एमडी का बढ़ता जाल

-पुलिस प्रशासन की ढीली पकड़ से नशा कारोबारियों के हौसले बुलंद

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर क्षेत्र सहित आसपास के इलाके पिछले कुछ वर्षों में स्मैक और एमडी जैसे घातक नशों के बढ़ते कारोबार का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। स्थिति यह है कि शहर के कई प्रमुख गलियों और चौराहों पर यह खतरनाक नशा आसानी से उपलब्ध हो जाता है। पुलिस और प्रशासन को जानकारी होने के बावजूद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाने से नशे के कारोबारी के हौसले बुलंद है जिसका सीधा असर युवाओं पर पड़ रहा है पिछले 3 वर्षों में सैकड़ो युवा इस नशे की चपेट में आ चुके हैं। 2018 व 2021 में पुलिस की ओर से नशा जागरूकता अभियान चलाया गया था लेकिन इसके सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आए इसके उलट शहर से शुरू हुआ अवैध नशे का कारोबार अब गांव की गलियों तक पहुंच गया है हाल के 3 वर्षों में गांव में रहने वाले युवा सबसे अधिक नशे की गिरफ्त में आए हैं पुलिस ने गांव में ही मुखबिरी के आधार पर कई कार्रवाई की है लेकिन नशे की सप्लाई के बड़े ठिकाना तक पहुंचने में असफल रही है पिछले तीन वर्षों में लाखों रुपए की स्मैक और एमडी बरामद की है पुलिस द्वारा जबकि कई आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। लेकिन जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि इस नशे की सप्लाई गुजरात महाराष्ट्र मुंबई और प्रतापगढ़ जैसे शहरों से होती हैं जांच में सामने आया कि स्थानीय स्तर पर नशे की छोटी-छोटी खेप करोड़ों में बेचकर युवाओं को इस दलदल में धकेला जा रहा है पुलिस को इस नेटवर्क की जानकारी होने के बावजूद भी बड़े सप्लायर तक पहुंचने में सफलता प्राप्त नहीं हुई है आगे भी युवाओं को इस खतरनाक बीमारी में स्मैक और एमडी के सप्लायर धकेलने में कसर नहीं छोड़ रहे हैं जबकि समय रहते बड़े सप्लायर तक पुलिस न पहुंच पाई तो न जाने कितने युवा इस कारोबार में लिफ्ट हो चुके होंगे। समय रहते जागरूकता अभियान चलाकर नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई पुलिस द्वारा नहीं होती है तो अंजाम युवाओं के लिए खतरनाक साबित होगा।

लायंस क्लब चूरू और शंकरा हॉस्पिटल जयपुर द्वारा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

-स्व. सेठ विश्वनाथ जी झुंझुनुवाला की पुण्य स्मृति में 9 दिसम्बर को राम मंदिर, पुरानी सड़क, चूरू में लगेगा शिविर

चूरू (रॉयल पत्रिका)। लायंस क्लब चूरू, मानव सेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, शंकरा हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन मंगलवार 9 दिसंबर, 2025 को श्रीराम मंदिर, पुरानी सड़क, चूरू में प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक करने जा रहा है। यह शिविर स्व. सेठ विश्वनाथ जी झुंझुनुवाला की पुण्य स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। शिविर प्रभारी सुनील रंजन टकणेत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में शंकरा हॉस्पिटल, जयपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आँखों की सम्पूर्ण जांच की जाएगी एवम मोतियाबिंद के रोगियों को जयपुर ले जाकर ऑपरेशन किया जाएगा, रोगी के जयपुर आने जाने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने और समय पर पहुंचकर अपनी आँखों की जांच करवाने का आग्रह किया।

तेज रफ्तार जीप चालक ने बाइक को मारी टक्कर

महुआ (रॉयल पत्रिका)। महुआ शहर के प्रमुख मार्ग पर सोमवार 8 दिसंबर की दोपहर शराब के नशे में ड्राइवर ने सब्जी मंडी से भरतपुर रोड तेज स्पीड में गाड़ी दौड़ाते हुए कई वाहनों को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जीप चालक ने पहले बाइक को जोरदार टक्कर मारी और उसे लगभग 100 मीटर तक घसीटा, इसके बाद जीप आगे चल रही एक कार को भी टकरा गई हादसे में एक साइकिल सवार बालक को टक्कर मार दी । घायल बालक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका उपचार किया गया और बाद में उसकी छुट्टी दे दी गई । इस अचानक

घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में भारी रोष देखा गया । सैंकड़ों लोग जीप चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाने पर पहुंचे। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची, बेकाबू जीप चालक विष्णु चौधरी निवासी बाछरेन (भरतपुर) को गिरफ्तार कर लिया । पुलिस मामले की जांच में जुटी है और चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

टीवी की 'पार्वती' के घर गूंजी किलकारियां

सोनारिका भदौरिया ने बेटी को दिया जन्म

टीवी की पार्वती अब मां बन गई हैं। 'देवों के देव महादेव' में पार्वती का किरदार से सबका दिल जीतने वाली सोनारिका भदौरिया ने सितंबर में अपने पति विकास पाराशर के साथ अपनी प्रग्नेंसी की घोषणा की है। एक्ट्रेस ने अनाउंस किया कि वह और विकास बेबी गर्ल के पैरेंट्स बन गए हैं। 'देवों के देव महादेव' में पार्वती का किरदार निभाने वाली सोनारिका भदौरिया लंबे समय से अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी को एन्जॉय करती नजर आ रही थी। लगातार एक्ट्रेस अपने बेबी बंप का फोटों इंस्टाग्राम पर शेयर करती दिख रही है। इस बीच एक्ट्रेस ने गुड न्यूज सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोनारिका ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। इसकी खबर उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। एक्ट्रेस ने अनाउंस किया कि वह और विकास बेबी गर्ल के पैरेंट्स बन गए हैं। इस दौरान फैंस और सेलेब्स दोनों ही बधाई देने में लगे हैं। पिछले साल 2024 में सोनारिका ने विकास पाराशर से राजस्थान में शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास, सोनारिका के भाई के दोस्त थे और उनसे वह जिम में मिली थी। सोनारिका ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह पहले से श्योर थी कि पार्टनर के रुप में उन्हें एक्टर नहीं चाहिए था। एक्ट्रेस का कहना था कि इंडस्ट्री के बाहर से पार्टनर के होने से बैलेंस बना रहता है। विकास उन्हें बहुत सपोर्ट करता है। सोनारिका भदौरिया ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ की शुरुआत साल 2011 में टीवी शो 'तुम देना साथ मेरा' से टीवी डेब्यू किया। लेकिल वह 'देवों के देव महादेव' सीरियल में माता पार्वती के रोल से घर-घर में फेमस हुईं। एक्ट्रेस के चेहरे की मासूमियत और सॉफ्ट हार्ट ने दर्शकों को देवी पार्वती के किरदार में तुरंत अपना दीवाना बना दिया। सोनारिका को जादूगाडु और ईदो रकम आदो रकम जैसी तेलुगु फिल्मों में भी देखा गया था।

जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता

राधिका आप्टे

अभिनेत्री राधिका आप्टे हमेशा से अपने अलग अंदाज के लिए जानी जाती रही हैं। फिल्मों में अनोखे किरदार निभाने से लेकर निजी जीवन में अपने फैसलों पर कायम रहने तक, वह अक्सर ऐसी बातें कहती हैं जो उनके आत्मविश्वास और स्पष्टता को दर्शाती हैं। इस कड़ी में उन्होंने कहा कि वह करियर, शहर या मौके खोने जैसे दबावों को बहुत हल्के में लेती हैं। राधिका आप्टे ने कहा कि उन्हें किसी भी चीज के छूट जाने का डर बिल्कुल नहीं होता। उन्होंने कहा, ''मैं इस तरह का दबाव कभी नहीं लेती। अगर मैं मुंबई में नहीं हूं, तो मैं इस बात की चिंता बिल्कुल भी नहीं करुंगी कि मेरे हाथ से बड़े मौके निकल जाएंगे। फिलहाल मैं लंदन में रहती हूं और काम के लिए भारत आती हूं। कई लोगों का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री का केंद्र मुंबई होने के कारण, वहां स्थायी रूप से रहना जरूरी है, लेकिन यह सोच पूरी तरह से गलत है।'' राधिका ने कहा, ''अगर मुझे कोई काम पसंद आएगा या मैं उसे करना चाहूंगी, तो मैं खुद मुंबई आ जाऊंगी। और अगर कभी कोई प्रोजेक्ट छूट भी गया, तो भी यह मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं है। जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता। कभी कुछ मिलता है, कभी नहीं, और दोनों ही स्थितियों को अपनाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि असल में ऐसा नहीं है। हम चीजों को जितना बड़ा समझते हैं, वे उतनी बड़ी होती नहीं। मानसिक शांति और जीवन के वास्तविक आनंद ही अहम हैं।''राधिका आप्टे इन दिनों अपनी आने वाली थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह एक ऐसी साधारण महिला स्मिता का किरदार निभा रही हैं, जो घर में रहना पसंद करती है। उसे बागवानी का शौक है और बेहद शांत जिंदगी जीती है। उसकी दुनिया छोटी-सी है। लेकिन यही शांत दुनिया अचानक एक घटना के कारण बदल जाती है और कहानी एक रोमांचक दिशा में आगे बढ़ती है।

धुरंधर का ज़ोरदार धमाका जारी

Day 2 पर रु 33.10 करोड़, कुल 2 दिनों में रु 61.70 करोड़ का धमाकेदार कलेक्शन!

जियो स्टूडियोज़ × बी 62 स्टूडियोज़ की यह जॉनर-बेंडिंग स्पाई-गैंगस्टर एक्शन एंटरटेनर, जिसका निर्देशन आदित्य धर ने किया है, ज़बरदस्त सकारात्मक वर्ड ऑफ़ माउथ और आलोचकों की सर्वसम्मत सराहना के चलते शानदार ग्रोथ दर्ज कर रही है। दर्शकों में इस महा-एंटरटेनर को देखने का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है, और गैंगस्टर-स्टाइल स्पाई-एक्शन जॉनर पर इसकी अनोखी और मास्सी पेशकश ने साफ़ तौर पर सिनेप्रेमियों की कल्पना पर कब्ज़ा कर लिया है।

लंबी अटकलों पर विराम स्मृति मंधाना ने मंगेतर पलाश मुछाल संग शादी कैंसिल की

भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और सिंगर पलाश मुछाल की शादी कैंसिल हो गई है। स्मृति और पलाश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर इसकी जानकारी दी। दोनों की शादी 23 नवंबर को होनी थी। संगीत से लेकर हल्दी के कार्यक्रम हो चुके थे। बारात की तैयारियां चल रही थीं। ऐसे में 23 नवंबर की सुबह स्मृति के पिता को हार्ट अटैक आने के बाद शादी पोस्टपोन कर दी गई थी। शादी टलने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगीं। दावा किया गया कि पलाश ने स्मृति के साथ धोखा किया है और उनका नाम वेडिंग कोरियोग्राफर से जोड़ा गया। इसी बीच, स्मृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शादी से जुड़ी सभी तस्वीरें हटा दी थीं। स्मृति ने पोस्ट में लिखा- पिछले कुछ हफ्तों से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, इसलिए मुझे लगा कि इस समय मुझे खुद इस बारे में बात कर देनी चाहिए। मैं बहुत निजी स्वभाव की इंसान हूं और अपनी प्राइवेसी बनाए रखना चाहती हूं, लेकिन यह साफ करना जरूरी है कि शादी अब कैंसिल हो गई है। मैं चाहती हूं कि यहीं इस मामले को खत्म कर दिया जाए और आप सभी से भी यही अनुरोध है कि इस विषय को आगे न बढ़ाएं।

अनिल कपूर को याद आया मिशन इम्पॉसिबल 4 का दौर, टॉम क्रूज समेत पूरी टीम को किया धन्यवाद

हिंदी सिनेमा में ऐसे कई सारे दिग्गज कलाकार रहे हैं, जिन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर न केवल भारत की जनता के दिलों में राज किया, बल्कि विदेश में भी जाकर अपने हुनर का परचम लहराया है। इन्हीं में से एक हैं अभिनेता अनिल कपूर। अभिनेता अनिल कपूर ने साल 2011 में हॉलीवुड की फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबलः घोस्ट प्रोटोकॉल' में काम किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फिल्म ने अपनी रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं, जिसकी खुशी जाहिर करते हुए अभिनेता ने एक पोस्ट शेयर कर फिल्म और साथी कलाकारों को याद किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के साथी कलाकारों के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो हमेशा के लिए दिलों में घर कर लेती हैं। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं होता कि वे किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा होती है या दुनियाभर में हिट हुई हैं, बल्कि इसकी असल वजह यह है कि इन फिल्मों के दौरान बने रिश्ते और दोस्तियां जिंदगीभर साथ रहती हैं।' अनिल कपूर ने आगे लिखा, 'फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबलः घोस्ट प्रोटोकॉल' भी एक ऐसी फिल्म थी, जिसके रिलीज के 14 साल पूरे हो गए हैं। हंसी-मजाक, एक-दूसरे पर भरोसा, यादगार पल और अनमोल दोस्तियां, ये सब आज भी ताजा हैं। ये कहानी उन लोगों की है, जो धीरे-धीरे परिवार बन गए और उन रोमांचक सफर की है, जो कभी फीके नहीं पड़ते हैं। 'साल 2011 में रिलीज हुई 'मिशन इम्पॉसिबलः घोस्ट प्रोटोकॉल' इस सीरीज की चौथी फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन 'ब्राड बर्ड' ने किया था। फिल्म में टॉम क्रूज, जेरेमी रेनर और सिमोन पेग मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में अनिल कपूर ने भी अहम किरदार निभाया था। ये फिल्म नेटफ्लिक्स में स्ट्रीम हो रही है।अभिनेता अनिल कपूर की फिल्म जल्द ही एक्शन और ड्रामा से भरी फिल्म 'सूबेदार' में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी कर रहे हैं। इस फिल्म में राधिका मदान लीड रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म भारत के ग्रामीण इलाके की कहानी पर आधारित है। इसमें अनिल कपूर ने फौज से रिटायर सूबेदार अर्जुन मौर्य का किरदार निभाया है, जो आम जिंदगी जीने की कोशिश करता है। इस दौरान उसे कई चुनौतियों और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

तान्या मित्तल की मिमिक्री कर बुरी फंसी

जेमी लिवर

'बॉडी शेमिंग' का आरोप

बॉलीवुड एक्टर जॉनी लिवर की बेटी जेमी लिवर कितनी अच्छी मिमिक्री करती हैं, इससे सभी वाकिफ हैं। एक बार वो रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' में आई थीं और कंटेस्टेंट तान्या मित्तल का खूब मजाक उड़ाया था। अब वो एक बार फिर उनका मखौल उड़ा रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर किया है, जो वायरल हो गया है। इस वीडियो में जेमी लिवर कुछ बोल नहीं रही हैं। एक क्लिप में है, जिसमें तान्या मित्तल रो रही हैं, वो उसकी नकल उतारती हैं। एक और क्लिप है, जिसमें वो किसी से लड़ रही हैं, इसमें उनके चेहरे के एक्सप्रेशंस की नकल जेमी ने की है। इस पर नीति टेलर से लेकर तमाम यूजर्स मौज ले रहे हैं। पर ज्यादातर लोगों ने उल्टा जेमी को ही खरी-खोटी सुनाई है। किसी ने कहा कहा कि क्या ये बॉडी शेमिंग नहीं है? तो किसी ने ये भी बोला कि औरत होकर वो औरत का मजाक उड़ा रही हैं। एक यूजर लिखते हैं, 'किसी का मजाक मत उड़ाओ, अच्छा नहीं लगता।' दूसरे ने लिखा, 'हर किसी को तन्या से अटेंशन चाहिए।' एक और लिखते हैं, 'कॉमडी के नाम पर कुछ भी मत करो।'

सारा खान ने कृष पाठक से शादी की

सपना बाबुल का..बिदाई और ससुराल सिमर का जैसे टेलीविजन धारावाहिकों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर अभिनेत्री सारा खान ने अभिनेता-निर्माता कृष पाठक के साथ शादी कर ली है। खान ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर अपने विवाह की कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें दोनों नजर आ रहे हैं। उन्होंने कृशा हैशटैग के साथ कैप्शन में लिखा, कुबूल है से सात फेरे तक... हमारे प्यार ने अपनी स्क्रिप्ट खुद लिखी और हमारे दोनों जहां ने हां कह दिया। खान और पाठक ने पांच दिसंबर को शादी करने से पहले एक साल तक डेटिंग की। इस जोड़े ने अक्टूबर में कोर्ट मैरिज की थी। दंपति ने हिंदू रीति-रिवाज से विवाह किया और बाद में निकाह भी किया। एक तस्वीर में खान और पाठक दोनों ने क्रीम रंग के कपड़े पहने थे। बाद की कुछ तस्वीरों में प्याजी रंग का लहंगा पहना था और पाठक ने उसी रंग का कुर्ता और सुनहरे रंग की पेंट पहनी थी। इससे पहले खान की शादी अभिनेता अली मर्चेंट से हुई थी। उन्होंने 2010 में शादी की थी, लेकिन 2011 में तलाक की घोषणा कर दी।

जल्द ओटीटी पर रिलीज हो रहा है 'फोर मोर शॉट्स' का फाइनल सीजन, शरारत और पागलपन से भरी है सीरीज, कब और कहां देखें?

ओटीटी प्लेटफॉर्म की लोकप्रिय वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज़ का नया सीजन जल्द ही रिलीज होने वाला है। अब तक इसके तीन सीजन दर्शकों के बीच काफी सफल रहे हैं, और अब मेकर्स ने इसके चौथे और फाइनल सीजन की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। दर्शक लंबे समय से इस सीरीज के अगले सीजन का इंतजार कर रहे थे, और अब आखिरकार उन्हें इसका नया सीजन देखने का मौका मिलने वाला है। फोर मोर शॉट्स प्लीज !सीरीज का पहला सीजन साल 2019 में आया था जिसे काफी पसंद किया गया था। यह सीरीज इंटरनेशनल एमी-नॉमिनेटेड हो चुकी है। इसके तीन सीजन सीजन आ चुके हैं और अब चौथा सीजन रिलीज को तैयार है। लंबे इंतजार के बाद फोर मोर शॉट्स का फाइनल सीज़न आखिरकार तीन साल बाद रिलीज़ होने जा रहा है। दर्शक काफी समय से इसके आखिरी सीजन की इंतजार कर रहे थे। अब यह भी साफ हो गया है कि यह ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर किस तारीख से स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा। 5 दिसंबर को मेकर्स ने फोर मोर शॉट्स प्लीज के फाइनल सीजन की रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में विक्रम भट्ट गिरफ्तार

30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में फिल्ममेकर विक्रम भट्ट को मुंबई के यारी रोड इलाके से गिरफ्तार किया गया है। राजस्थान पुलिस और मुंबई पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर डायरेक्टर को उनकी साली के घर से गिरफ्तार किया है। अब राजस्थान पुलिस उन्हें अपने साथ उदयपुर ले जाने के लिए बांद्रा कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड के लिए अप्लाई करेगी। बता दें कि सात दिन पहले इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया से 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोपी फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट सहित 6 आरोपियों के खिलाफ उदयपुर पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी किया था। सभी आरोपियों को 8 दिसंबर तक उदयपुर पुलिस के सामने पेश होने के लिए भी नोटिस दिए गए था। इसके अलावा इनमें से कोई भी आरोपी अब बिना मंजूरी के विदेश नहीं जा पाएंगे। क्या है पूरा मामला बता दें कि लगभग 20 दिन पहले उदयपुर में विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट समेत 8 लोगों पर 30 करोड़ की धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज हुई थी। दोनों पर उदयपुर के डॉक्टर को 200 करोड़ की कमाई का झांसा देकर ठगी करने का आरोप लगा था। भूपालपुरा पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक डॉ.अजय मुर्डिया ने फिल्म डायरेक्टर, उनकी पत्नी, बेटी कृष्णा निवासी अंधेरी वेस्ट, मुंबई, दिनेश कटारिया निवासी सहेली नगर उदयपुर, महबूब अंसारी प्रोड्यूसर निवासी ठाणे, मुदित बुटड्डान निवासी दिल्ली, गगेश्वरलाल श्रीवास्तव डीएससी चेयरमैन, अशोक दुबे जनरल सेक्रेटरी, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज मुंबई के खिलाफ रिपोर्ट दी।

(साभार एजेंसी)

मेसी के दम पर इंटर मियामी ने जीता एमएलएस कप का खिताब, मुलर पर भारी पड़े अर्जेंटीनियाई खिलाड़ी

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के दम पर इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर का खिताब पहली बार अपने नाम किया। इस दौरान मेसी और थॉमस मुलर के बीच प्रतिद्वंद्विता देखने मिली जिसे मेसी आगे निकल गए। अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप से पहले लियोनल मेसी ने एक बार फिर अपना दम दिखाया और इंटर मियामी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। फाइनल मुकाहला सिर्फ इंटर मियामी और वैंकूवर व्हाइटकैप्स के बीच ही नहीं था, बल्कि जर्मनी के स्टार फुटबॉलर थॉमस मुलर और अर्जेंटीना के मेसी के बीच भी एक जंग थी। मेसी और मुलर के बीच प्रतिद्वंद्विता में आमतौर पर मुलर ने ही बाजी मारी है, लेकिन इस बार अर्जेंटीनियाई खिलाड़ी आगे निकल गए।

मेसी ने करियर की 47वीं ट्रॉफी जीती

मुलर और मेसी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेसी और अर्जेंटीना को बाहर किया है।

लेकिन एमएलएस के फाइनल में अर्जेंटीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेसी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया।

इंटर मियामी की जीत में चमके मेसी

मेसी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रेंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं। दोनों क्लब विश्व कप विजेता भी हैं।

मेसी ने मैच के बाद कहा, तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

सीएम ने सिमू दास को सौंपा 10 लाख का चेक, सरकारी नौकरी का भी वादा

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत की ब्लाइंड क्रिकेट स्टार सिमू दास को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इसी के साथ उन्होंने विश्व कप विजेता खिलाड़ी को सरकारी नौकरी का वादा भी किया। सिमू, बी1 (पूरी तरह से ब्लाइंड) कैटेगरी की क्रिकेटर हैं, जिन्होंने ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। सिमू जन्म से ही नेत्रहीन हैं। कच्चे मकान में सिमू का बचपन बेहद मुश्किल हालात में गुजरा। सिमू की तरह उनका भाई भी देखने में सक्षम नहीं है। ऐसे मुश्किल हालात में मां ने पूरे परिवार की जिम्मेदारी उठाई। उन्होंने बेटी को तमाम चुनौतियों से लड़ना सिखाया। पक्के इरादे के साथ सिमू ने न सिर्फ भारत की तरफ से खेलने का अपना सपना पूरा किया, बल्कि आज वह एक विश्व कप विजेता भी हैं। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) और सपोर्टनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड ने इस बड़े फैसले के लिए असम सरकार और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का शुक्रिया अदा किया है। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के अध्यक्ष डॉ. जीके महंतेश ने कहा, 'यह न सिर्फ सिमू की प्रतिभा और लगन का इनाम है, बल्कि भारत में ब्लाइंड क्रिकेट के लिए एक टर्निंग प्वाइंट भी है। माननीय मुख्यमंत्री की सबको साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता पूरे देश को एक मजबूत संदेश देती है। हम इस बदलाव लाने वाले काम के लिए बहुत शुक्रगुजार हैं, जो अनगिनत दृष्टिबाधित लड़कियों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगा। सिमू दास ने कहा, 'यह मेरी जिंदगी का सबसे भावुक दिन है। मैं एक ऐसे परिवार से हूं, जिसने हर चीज के लिए जद्दोजहद किया है। सरकारी नौकरी की घोषणा और माननीय मुख्यमंत्री से मिले इस सम्मान ने मुझे एक नई जिंदगी और एक नई पहचान दी है। मैं उनका दिल से शुक्रिया अदा करती हूं। मैं माननीय प्रधानमंत्री के प्रति भी अपना सम्मान जताती हूं, जिनके नेतृत्व में मुझ जैसे लाखों लोगों को अपने हालात से ऊपर उठने की उम्मीद मिली है। मैं क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया और समर्थनम ट्रस्ट को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे खोजा और मुझे यहां तक पहुंचने के लिए ट्रेनिंग दी। '

80 साल के दादा के सहारे दौड़ रही हरियाणा की गोल्डन गर्ल, पिता लापता...

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा की मिट्टी से निकली 400 मीटर की नई उड़ान मनीषा कुमारी की जिंदगी ट्रैक पर जितनी तेज भागती है, घर की हालत उतनी ही मुश्किलों से घिरी है। मनीषा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश और यूनिवर्सिटी का नाम रोशन किया, लेकिन उनके घर की आर्थिक स्थिति जीत की चमक से बिल्कुल उलट है।

पिता वर्षों पहले नशे की गिरफ्त में डूबकर घर छोड़ गए, तब से उनका कोई पता नहीं। 80 साल के बुजुर्ग दादा ही पूरे घर का सहारा हैं। अब स्थिति यह है कि अगर मनीषा को जल्द कोई स्पॉन्सर नहीं मिला तो इस सुनहरी दौड़ पर रोक भी लग सकती है। गोल्ड मेडल के बाद भी उनकी असली जंग जारी है, सपनों को बचाने की जंग। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में क्या लक्ष्य हासिल कर पाई के सवाल पर मनीषा ने जनसत्ता को बताया, '...नहीं जो गोल बनाकर आई थी, उतना तो नहीं कर पाई। अपना पर्सनल बेस्ट नहीं कर पाई, लेकिन अभी आगे ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी है। उसमें अपना पर्सनल बेस्ट करूंगी। आगे भी और प्रतियोगिताएं हैं। कोशिश करूंगी कि अपने देश के लिए भी पदक जीतूं। मनीषा ने कहा, 'मेरे दादा-दादी ही हूं जिन्होंने मुझे सपोर्ट किया है। मेरे पापा नहीं हैं। हम पांच भाई बहन हैं।

शूटिंग वर्ल्ड कप फाइनलः

विश्व कप फाइनल में रुद्रांक्ष-बबूता और इलावेनिल का निराशाजनक प्रदर्शन, पदक से चूके

दोहा, एजेंसी। भारतीय निशानेबाजों ने विश्व कप फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन किया। रुद्रांक्ष पाटिल, अर्जुन बबूता और इलावेनिल पदक नहीं जीत सके। सबसे ज्यादा निराश इलावेनिल ने किया जो फाइनल के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सकीं। भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और पेरिस ओलंपिक फाइनल तक पहुंचे अर्जुन बबूता शनिवार को सत्र के आखिरी आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पदक जीतने से चूककर क्रमशः चौथे और छठे स्थान पर रहे। इलावेनिल वलारिवन भी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पिछड़ गईं। वह क्वालिफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाईं।

चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे थे रुद्रांक्षः 2022 के विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष ने इस सत्र में ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था।

वह 631.9 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन दौर में चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। बबूता ने 633.3 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में रुद्रांक्ष ने 209.9 का स्कोर बनाया।

फाइनल में जगह नहीं बना सकीं इलावेनिलः स्वीडन के पूर्व विश्व चैंपियन विक्टर लिंडग्रेन ने 253.0 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और 5,000 यूरो की पुरस्कार राशि जीती। पेरिस ओलंपिक में दो स्वर्ण पदक के विजेता चीन के शेंग लिहाओ ने 252.6 के स्कोर से रजत पदक और 4,000 यूरो की राशि जीती। एक और दिग्गज हंगरी के इस्तवान पेनी ने कांस्य पदक जीता। काहिरा में वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली इलावेनिल आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाई। वह क्वालिफिकेशन में 630 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहीं। ट्रैप में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर संधू 12 निशानेबाजों में नौवें स्थान पर रहे। यह अनुभवी निशानेबाज शॉटगन प्रतियोगिता में भारत से एकमात्र निशानेबाज हैं।

विराट कोहली का खुलासा, द. अफ्रीका के खिलाफ धमाकेदार पारी पर कही दिल की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में गजब की फॉर्म दिखाते हुए लगातार दो शतक और एक अर्धशतक जड़ा। उनकी शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया दौरे की निराशा से लौटने के बाद कोहली ने सीरीज में कुल 302 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 151.00 और स्ट्राइक रेट 117.05 रहा। कोहली ने बताया कि रांची में खेला गया पहला वनडे उनकी फॉर्म को वापस जगाने वाला मैच था। उन्होंने कहा– 'रांची का मैच मेरे लिए बहुत खास था। ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद मैंने कोई मैच नहीं खेला था। जैसे ही गेंद अच्छे से बैट पर लगनी शुरू हुई, मेरी एनर्जी सही महसूस हुई और मैंने खतरा लेना शुरू किया। वही गेम मुझे फिर से खोल गया।' इस मैच में कोहली ने 120 गेंदों पर 135 रन की शानदार पारी खेली थी। छक्कों पर कोहली का जवाब–'जब खुलकर खेलता हूं, तो छक्के आते हैं'.

तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले छठे भारतीय बने यशस्वी जायसवाल

विशाखापत्तनम, एजेंसी। अपने वनडे करियर के चौथे ही मुकाबले में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध तीसरे वनडे मुकाबले में शतकीय पारी खेली, जिसके साथ वह तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले छठे भारतीय बन गए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट फॉर्मेट में 7 शतक जमाए हैं, जबकि टी20 क्रिकेट में उनके नाम 1 शतक दर्ज है। यशस्वी जायसवाल से पहले सुरेश रैना, रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली और शुभमन गिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में अपना नाम शामिल करवा चुके थे।

यशस्वी जायसवाल ने एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में 121 गेंदों का सामना किया, जिसमें 2 छक्कों और 12 चौकों के साथ 116 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 155 रन जुटाए, जबकि विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी की।

यशस्वी जायसवाल की इस शानदार पारी के दम पर भारत ने तीसरे वनडे मुकाबले को 9 विकेट से जीतकर तीन मुकाबलों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मुकाबले में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम 47.5 ओवरों में 270 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम के लिए क्विंटन डी कॉक ने 89 गेंदों में 6 छक्कों और 8 चौकों के साथ सर्वाधिक 106 रन बनाए। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव ने 4-4 विकेट निकाले। इसके जवाब में भारत ने सिर्फ 39.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली।

यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया, जबकि रोहित शर्मा ने 73 गेंदों में 10 बाउंड्री के साथ 75 रन की पारी खेली। इनके अलावा, विराट कोहली ने 45 गेंदों में नाबाद 65 रन बनाए। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची में खेले गए पहले वनडे मैच को 17 विकेट से जीता था, जिसके बाद साउथ अफ्रीका ने रायपुर में खेले गए दूसरे वनडे मैच को 4 विकेट से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली थी। ऐसे में तीसरा वनडे मैच निर्णायक बन गया था।

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका टी-20:

टीम इंडिया के लिए खुशखबरी, दो मैच विनर खिलाड़ियों की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की है कि टी20ढ्ढ उपकप्तान शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 9 दिसंबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं।

गिल की चोट के बाद वापसीः गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगी थी, जिसके चलते वे दूसरा टेस्ट और तीनों वनडे मैच नहीं खेल पाए। अब डॉक्टरों की हरी झंडी मिलने के बाद उन्हें टी20 टीम में शामिल कर लिया गया है। पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहाः

'शुभमन तैयार हैं। इसलिए उन्हें चुना गया है। वह फिट हैं और दोबारा खेलने के लिए बेहद उत्सुक भी। हालांकि गिल टेस्ट और वनडे में शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं, लेकिन उनकी टी20 फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। 12 पारियों में सिर्फ 259 रन, औसत 28.77, स्ट्राइक रेट 143, सर्वश्रेष्ठ स्कोर 47. इन मैचों में छह बार वे 20 रन से कम पर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए हार्दिक पांड्या की भी टीम में वापसी हो रही है। उन्होंने सितंबर 2025 में एशिया कप के दौरान अंतिम बार टी20 खेला था। इस बीच रिंकू सिंह को इस सीरीज में मौका नहीं मिला है। स्क्वॉड जारी करते समय बीसीसीआई ने कहा था कि गिल को खेलने के लिए बोर्ड के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से अंतिम फिटनेस पास करना होगा, जिसे अब मंजूरी मिल चुकी है।

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे, लिस्ट में सिर्फ 4 भारतीय

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। रोहित शर्मा ने यह मुकाम साउथ अफ्रीका के विरुद्ध शनिवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में जारी तीसरे वनडे मैच में हासिल किया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर शीर्ष भारतीय हैं, जिन्होंने 664 मुकाबलों की 782 पारियों में 48.52 की औसत के साथ 34,357 रन बनाए। वहीं, विराट कोहली 52.46 की औसत के साथ अब तक 27,910 रन बना चुके हैं। इस लिस्ट में राहुल द्रविड़ तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 504 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 45.57 की औसत के साथ 24,064 रन बनाए। रोहित शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय करियर में 505 मैच खेले हैं, जिसमें 45 से ज्यादा की औसत के साथ 20 हजार रन पूरे किए। इस दौरान रोहित 1,900 से ज्यादा चौके और 600 से ज्यादा छक्के लगा चुके हैं। इस मुकाबले के दौरान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 100+ रन

की साझेदारी की। यह 35वीं बार है जब रोहित वनडे फॉर्मेट में पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी का हिस्सा रहे हैं। इस लिस्ट में उनके आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने 40 बार ऐसा किया है। विशाखापत्तनम में खेले जा रहे इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम 47.5 ओवरों में 270 रन पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका की तरफ से क्विंटन डी कॉक ने 89 गेंदों में 6 छक्कों और 8 चौकों के साथ 106 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान टेंबा बावुमा ने 67 गेंदों में 5 चौकों के साथ 48 रन बनाए।

निशानेबाज सुरुचि सिंह ने जीता स्वर्ण, संयम को मिला रजत

मनु भाकर पदक जीतने से चूकीं

दोहा, एजेंसी। महिला निशानेबाज सुरुचि सिंह ने दोहा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में स्वर्णिम प्रदर्शन किया। हालांकि, स्टार निशानेबाज मनु भाकर फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं और पदक नहीं जीत सकीं। प्रतिभाशाली निशानेबाज सुरुचि सिंह ने एक और शानदार प्रदर्शन हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी साथी संयम ने रजत पदक हासिल किया जिससे भारत ने सत्र के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत की। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने निराश किया और वह पदक हासिल करने से चूक गईं।

फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं मनु : 10 मीटर राइफल निशानेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुरुचि ने फाइनल में 245.1 का शानदार स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दिन चमका दिया। वहीं पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ देश के लिए रजत पदक पक्का किया। मनु भाकर फाइनल में पहुंची लेकिन 179.2 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। इस साल की शुरुआत में लगातार चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुरुचि सितंबर-अक्तूबर में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर थीं। वह शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने 586 के कुल स्कोर के साथ 12 निशानेबाजों के एलीट ग्रुप में क्वालिफिकेशन दौर में दूसरा स्थान हासिल किया।

भाकर (578) छठे स्थान पर रहीं, जबकि 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन संयम (573) क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद मुश्किल से फाइनल में पहुंच पाईं। हालांकि फाइनल में 21 साल की संयम बिल्कुल अलग रंग में दिखीं। वह फाइनल के बड़े हिस्से में सबसे आगे रहीं लेकिन एलिमिनेशन दौर में चार बार 9.5 का स्कोर से शीर्ष स्थान सुरुचि को गंवा बैठीं।

रुद्रांक्ष, बबूता और इलावेनिल ने किया निराश : भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और पेरिस ओलंपिक फाइनल तक पहुंचे अर्जुन बबूता पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में क्रमशः चौथे और छठे स्थान पर रहे।

इलावेनिल वलारिवन भी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पिछड़ गईं। वह क्वालिफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाई।

इजराइल और भारत के बीच सहयोग के अनंत अवसर : इजराइली अधिकारी

» यरुशलम, भाषा।

इजराइली अधिकारी ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना को बेहतरीन करार दिया और कहा कि इजराइल और भारत के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर मौजूद हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, इजराइल और भारत के बीच संबंध बहुत मजबूत है और ए और भी मजबूत होते जा रहे हैं, नागरिक के साथ ही सैन्य और रक्षा सहयोग के संदर्भ में भी। विदेश मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के पास साथ मिलकर काम करने के अनंत अवसर हैं। आईएमईसी परियोजना के बारे में अधिकारी ने कहा, इजराइल के लिए यह एक बहुत ही अच्छी पहल।

हम इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। फिलहाल, दो देश ऐसे हैं जो हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं - जॉर्डन और इजराइल। पहले चरण के लिए हम यही चाहते हैं कि ए दोनों देश एक बड़े ढांचे का हिस्सा हों। आईएमईसी, तीन क्षेत्रों में संपर्क, व्यापार और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य वाली एक परिवर्तनकारी पहल है, जिसकी शुरुआत सितंबर 2023 में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी। इस गलियारे के लिए भारत, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और कुछ अन्य जी20 भागीदारों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। आईएमईसी के अस्तित्व में आने के एक महीने से भी कम समय में हमास ने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया जिसका असर इस परियोजना पर पड़ा। इजराइली अधिकारी ने कहा, यह सच है कि सात अक्टूबर के हमले ने इन सभी पहलों पर रोक लगा दी है... दूसरे देशों को इस बात को लेकर बहुत हिचकिचाहट है कि जब युद्ध अब भी जारी है तो वे इसमें कैसे शामिल हों। भले ही युद्धविराम हो, (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप द्वारा एक शांति योजना बनाई गई हो, फिर भी हिचकिचाहट बनी हुई है। अगर फिर से युद्ध छिड़ गया तो क्या होगा? अधिकारी ने कहा, इसलिए, मुझे लगता है कि इसमें अभी समय लगेगा। इस समय इजराइल के पास आगे बढ़ने के लिए कुछ भी नहीं है, जब तक कि सऊदी अरब को गाजा में किसी प्रकार की प्रगति नजर न आए, क्योंकि सऊदी अरब ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसे फलस्तीनियों को कुछ देना होगा... कोई भी ऐसा कदम जिससे फलस्तीनियों को शांत किया जा सके, उसके बाद ही वह आगे बढ़ेगा और इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य करेगा। कई विशेषज्ञों ने आईएमईसी को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का जवाब बताया है, जो अरबों डॉलर की एक बुनियादी ढांचा और संपर्क परियोजना है जिसमें दर्जनों देश शामिल हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि इजराइल भारत के साथ-साथ बाकी दुनिया पर भी हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए दबाव डाल रहा है।

इजराइल और हमास जल्द ही युद्धविराम के दूसरे चरण में प्रवेश करेंगे : नेतन्याहू

तेल अवीव, (भाषा)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि हमास द्वारा गाजा में बंधक बनाए गए अंतिम व्यक्ति के अवशेष लौटाए जाने के बाद इजराइल और हमास के बीच हुआ युद्ध विराम दूसरे चरण में प्रवेश करने की उम्मीद है। नेतन्याहू ने जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में रेखांकित किया कि दूसरे चरण में हमास का निरस्त्रीकरण और गाजा का विसैन्यीकरण प्रस्तावित है जो इस महीने के अंत तक शुरू हो सकता है। हमास ने अभी तक 24 वर्षीय पुलिस अधिकारी रान ग्विली के अवशेष नहीं सौंपे हैं, जो 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमले में मारे गए थे, जिससे युद्ध छिड़ गया था। उनका शव गाजा ले जाया गया था। युद्ध विराम के दूसरे चरण में गाजा को सुरक्षित करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बल की तैनाती और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले एक अंतरराष्ट्रीय बोर्ड की देखरेख में दिन-प्रतिदिन के मामलों को चलाने के लिए एक अस्थाई फलस्तीनी सरकार का गठन का भी प्रस्ताव है। हमास का कहना है कि वह सभी इजराइली नागरिकों के शव नहीं लौटा पाया है क्योंकि वे गाजा में सैन्य अभियान के दौरान मलबे में दबे हुए हैं। मर्ज ने कहा कि दक्षिणी इजराइल में अमेरिका के नेतृत्व वाले नागरिक और सैन्य समन्वय केंद्र में अधिकारियों और राजनयिकों को भेजकर तथा गाजा में मानवीय सहायता भेजकर दूसरे चरण के कार्यान्वयन में सहायता कर रहा है। नेतन्याहू ने कहा कि बहुत कम लोगों को विश्वास है कि युद्धविराम का पहला चरण हासिल किया जा सकेगा, और दूसरा चरण उतना ही चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने चांसलर को बताया, एक तीसरा चरण भी है, और वह है गाजा को कट्टरपंथ से मुक्त करना, ऐसा कुछ जिसे लोग असंभव मानते हैं। लेकिन यह जर्मनी में किया गया, जापान में किया गया, खाड़ी देशों में किया गया। यह गाजा में भी किया जा सकता है, लेकिन निश्चित रूप से हमास को खत्म करना होगा। मर्ज ने कहा कि जर्मनी में इजराइल के अस्तित्व और सुरक्षा के लिए हमेशा खड़ा रहेगा।

वाणिज्य दूतावास को 32 साल में पहली बार दूसरे भवन में स्थानांतरित किया

भारत ने शंघाई में अपने वाणिज्य दूतावास के अत्याधुनिक भवन का उद्घाटन किया

» बीजिंग, भाषा।

भारत ने शंघाई स्थित अपने वाणिज्य दूतावास के नए अत्याधुनिक भवन का रविवार को उद्घाटन किया। भारत ने चीन के मुख्य व्यापारिक केंद्र स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को 32 साल में पहली बार दूसरे भवन में स्थानांतरित किया है। शंघाई वाणिज्य दूतावास चीन के पूर्वी क्षेत्र में भारत के तेजी से बढ़ते व्यापारिक समुदाय की सेवा करता है, जहां यिवू जैसे शीर्ष व्यापार और व्यवसाय केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय व्यवसाय मौजूद हैं। चांगनिंग जिले के प्रमुख डॉनिंग सेंटर में 1,436.63 वर्ग मीटर में फैले विशाल नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने किया।

यह भवन पिछले भवन के आकार की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक वह आठ दिसंबर को अपने नए परिसर से पूरी तरह से काम करना शुरू कर देगा। रावत ने 1992 के बाद पहली बार नए वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि भारत और चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक उद्घाटन के अवसर पर राजनयिक मिशन के सदस्य, शंघाई नगर सरकार के प्रतिनिधि, शंघाई, हांग्जो, निंगबो, सूझोउ, नानजिंग, यिवू, केकियाओ और वाणिज्य दूतावास के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अन्य शहरों से आए भारतीय समुदाय के सदस्यों सहित 400 से अधिक गणमान्य लोग उपस्थित थे। महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने अपने संबोधन में भारतीय नागरिकों और चीनी साझेदारों के लिए निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए वाणिज्य दूतावास की प्रतिबद्धता दोहराई।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया, जापान ने जताया विरोध

तोक्यो, (भाषा)। चीनी विमानवाहक पोत लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले एक सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक कर दिया जिसे लेकर जापान ने चीन के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। रडार लॉक का मतलब होता है- किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो बार अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में लगभग तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया। मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर रडार लॉक किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ प्रतिक्रिया दी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि रडार लॉक करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने रविवार की सुबह पत्रकारों से कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया और इसे एक खतरनाक कृत्य करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है।

न्यूज ब्रीफ

हांगकांग में आम चुनाव के लिए मतदान

» हांगकांग, भाषा।

चीन के एक विशेष प्रशासनिक क्षेत्र हांगकांग में 2021 में व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करके लोकतंत्र समर्थक विपक्ष को खत्म किए जाने के बाद से दूसरी बार हो रहे लेजिस्लेटिव काउंसिल चुनाव के लिए रविवार को मतदान जारी है। लगभग दो सप्ताह पहले एक अपार्टमेंट में आग लगने से 159 लोगों की मौत के बाद हो रहा यह चुनाव इस त्रासदी को संभालने को लेकर सरकार के बारे में जनता की राय भांपने का एक जरिया साबित हो सकता है। मतदान प्रतिशत पर सबकी नजरें हैं, जो 2021 में हुए पिछले चुनाव में 30 प्रतिशत तक गिर गया था। शहर के मुख्य कार्यकारी जॉन ली ने शुक्रवार को लोगों से मतदान करने की अपील की थी।

उन्होंने कहा कि वह नई लेजिस्लेटिव काउंसिल में एक प्रस्ताव पेश करेंगे, जिसमें यह बताया जाएगा कि आग से प्रभावित पीड़ितों की कैसे सहायता की जा सकती है। मतदान रात 11:30 बजे खत्म होगा। इस चुनाव में उम्मीदवारों का चीन के प्रति निष्ठावान होना आवश्यक है। शहर के 41 लाख पात्र मतदाताओं में से कई, विशेष रूप से लोकतंत्र समर्थक लोग, 2019 में हुए विशाल विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए दमन के पश्चात राजनीति से दूर हो गए हैं। साल 2021 के परिवर्तनों से पहले भी 70 सदस्यीय लेजिस्लेटिव काउंसिल में से केवल आधे सदस्य सामान्य मतदाता चुनते थे। अब सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 90 कर दी गई है, जिनमें से 20 सदस्यों को मतदाता चुनते हैं जबकि 40 का चुनाव चीन समर्थक चुनाव समिति करती है। शेष 30 सदस्य विभिन्न समूहों, जैसे वित्त, स्वास्थ्य और रियल एस्टेट से चुने जाते हैं।

मेक्सिको के मिचोआकान राज्य में विस्फोट होने से कम से कम दो लोगों की मौत, सात घायल

» मेक्सिको सिटी, भाषा।

मेक्सिको के मिचोआकान राज्य में एक स्थानीय पुलिस थाने के बाहर विस्फोट होने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। स्थानीय एवं संघीय सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोआहुआयाना पुलिस के कमांडर हेक्टर जेपेदा ने शनिवार को कहा कि विस्फोट में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई जबकि घायलों में आम लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विस्फोट स्थल से काफी दूर पड़े मिले।

विस्फोट के कारण आसपास की इमारतों को भी नुकसान हुआ है। विस्फोट शनिवार को उस समय हुआ जब मिचोआकान के गवर्नर अल्फ्रेडो रामिरेज बेडोल्ला अपनी पार्टी मोरेना की सरकार के कार्यकाल के सात साल पूरे होने के मौके पर मेक्सिको सिटी में राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ जश्न मना रहे थे। मिचोआकान में सुरक्षा व्यवस्था बिगड़ने को लेकर रामिरेज बेडोल्ला और शिनबाम की आलोचना हुई है, जहां कई मादक पदार्थ गिरोह इलाके पर कब्जा करने के लिए आपस में लड़ रहे हैं और स्थानीय लोगों को आतंकित कर रहे हैं। राज्य सरकार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि विस्फोटक उपकरण से विस्फोट हुआ, लेकिन उसने विस्तृत जानकारी नहीं दी।

पाकिस्तान ने अपनी सेना के खिलाफ जयशंकर की टिप्पणी की आलोचना की

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि उसके सशस्त्र बलों सहित सभी संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा का स्तंभ हैं और उसने सेना के खिलाफ भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा की गई टिप्पणी की आलोचना की। नई दिल्ली में हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में शनिवार को जयशंकर ने कहा कि भारत की कई समस्याओं की जड़ पाकिस्तान की सेना है और उन्होंने उसके द्वारा आतंकवादी समूहों को दिए जाने वाले समर्थन का भी उल्लेख किया।

जयशंकर ने कहा, जैसे अच्छे आतंकवादी और बुरे आतंकवादी होते हैं, वैसे ही अच्छे सैन्य नेता भी होते हैं और कुछ इतने अच्छे नहीं भी होते। उनकी इस टिप्पणी को सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के संदर्भ में देखा जा रहा है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, पाकिस्तान भारत के विदेश मंत्री द्वारा की गई अत्यंत भड़काऊ, बेबुनियाद और गैर-जिम्मेदार टिप्पणियों को खारिज करता है और उनकी निंदा करता है। अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान एक जिम्मेदार देश है और सशस्त्र बलों सहित उसकी सभी संस्थाएं राष्ट्रीय सुरक्षा का एक स्तंभ हैं। प्रवक्ता ने बताया कि मई में हुए संघर्ष ने यह दिखा दिया कि पाकिस्तानी सेना देश की रक्षा के लिए किसी भी आक्रमण का सामना उचित, प्रभावी और जिम्मेदार तरीके से करने के लिए तैयार है।

बेनिन में घोषित तख्तापलट को विफल कर दिया गया है: गृह मंत्री

» कॉन्टोनू (बेनिन), भाषा।

बेनिन में रविवार को घोषित तख्तापलट को विफल कर दिया गया है। गृह मंत्री ने फेसबुक पर एक वीडियो में यह जानकारी दी। गृह मंत्री अलास्साने सेइदोउ ने कहा, रविवार, सात दिसंबर, 2025 की सुबह, सैनिकों के एक छोटे समूह ने देश और उसकी संस्थाओं को अस्थिर करने के उद्देश्य से विद्रोह शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, इस स्थिति का सामना करते हुए, बेनिनी सशस्त्र बल और उनका नेतृत्व गणतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध रहे। इससे पहले बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिए सरकार के तख्तापलट की घोषणा की थी।

खुद को मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन कहने वाले सैनिकों के समूह ने राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को हटाए जाने की घोषणा की। समूह ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल तिगरी को सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वर्ष 1960 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद, इस पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र ने तख्तापलट की कई घटनाओं को देखा है। राष्ट्रपति पैट्रिस टैलोन 2016 से सत्ता में थे और अगले साल अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव के बाद उन्हें पद छोड़ना था। टैलोन की पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुआल्ड वडाग्नि को चुनाव जीतने की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अगबोडजो की उम्मीदवारी को निर्वाचन आयोग ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनके पास पर्याप्त प्रायोजक नहीं थे। पिछले महीने देश की विधायिका ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया था तथा कार्यकाल सीमा दो ही रखी थी।

पाकिस्तान: सुरक्षा बलों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमले को नाकाम किया

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन पर हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। मीडिया में रविवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। समाचारपत्र डॉन की खबर के अनुसार, पेशावर जाने वाली ट्रेन की पटरी पर शनिवार को प्रांत के नसीराबाद इलाके में अज्ञात चरमपंथियों ने विस्फोटक लगा दिया था। पुलिस के एक अधिकारी के हवाले से खबर में बताया गया कि विस्फोटक लगाए जाने के बारे में सूचना मिलने के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इलाके की घेराबंदी कर उसे निष्क्रिय कर दिया। इसी इलाके में एक महीने पहले एक विस्फोट हुआ था, जिससे ट्रेन बाल-बाल बच गई थी। कुछ महीने पहले, इस ट्रेन पर हुए एक घातक हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस बीच, पेशावर से क्वेटा जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को सुरक्षा कारणों से जकोबाबाद में रोक दिया गया। एक अन्य ट्रेन को भी वहां रोका गया। खबर के अनुसार, स्थिति का आकलन करने के बाद इन रेलगाड़ियों की सेवाएं फिर से शुरू की जाएंगी।

हीथ्रो हवाई अड्डे पर पेपर स्प्रे से हमले का आरोपी गिरफ्तार, उड़ानें प्रभावित

» लंदन, भाषा।

लंदन के व्यस्त हीथ्रो हवाई अड्डे पर हमले के संदेह में रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी तब की गई, जब पुलिस को सूचना मिली कि कई लोगों पर पेपर स्प्रे से हमला किया गया है और उड़ानें प्रभावित हुई हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि सुबह की घटना आतंकवाद से संबंधित नहीं थी और पीड़ितों की चोटें जीवन के लिए खतरा या जीवन बदल देने वाली नहीं थीं। पुलिस का मानना है कि यह घटना एक-दूसरे को जानने वाले लोगों के समूह के बीच हुई कहासुनी से जुड़ी थी।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने एक बयान में कहा, कुछ लोगों के समूह ने कई लोगों पर पेपर स्प्रे का छिड़काव किया, जिसके बाद वे घटनास्थल से चले गए। बयान में कहा गया है, सशस्त्र प्रतिक्रिया अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हमले के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। वह अब भी हिरासत में है और अन्य संदिग्धों का पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है। इस घटना के कारण उड़ानों में भारी व्यवधान उत्पन्न हुआ और हवाई अड्डा प्रबंधन ने यात्रियों को अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेने की सलाह दी। हीथ्रो हवाई अड्डे ने कहा, हमारी टीम वर्तमान में टर्मिनल-3 बहुमंजिला कार पार्किंग में आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी एक घटना पर प्रतिक्रिया दे रही है। पुलिस ने लोगों से घटना से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा करने की अपील की है।

अलास्का-कनाडा सीमा के निकट शक्तिशाली भूकंप, किसी तरह के नुकसान की नहीं मिली खबर

जूनो (अमेरिका)। अमेरिका के अलास्का राज्य और कनाडा के क्षेत्र यूकोन के बीच सीमा के निकट एक इलाके में शनिवार को सात तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। सुनामी को लेकर हालांकि कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और न ही किसी तरह के नुकसान के बारे में तत्काल कोई जानकारी मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप अलास्का से लगभग 370 किलोमीटर दूर आया। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद हल्के झटके भी महसूस किए गए।

पश्चिमी नेपाल में महसूस किए गए भूकंप के हल्के झटके

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में रविवार सुबह 4.6 तीव्रता का भूकंप आया हालांकि किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह आठ बजकर 28 मिनट पर आया और इसका केंद्र दारचुला जिले के घुसा क्षेत्र में स्थित था। पड़ोसी जिलों में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। पश्चिमी नेपाल में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए वरिष्ठ भारतीय सरकारी अधिकारी नेपाल पहुंचे

काठमांडू। नेपाल की चुनाव तैयारियों की समीक्षा करने तथा भारत द्वारा वित्तपोषित विकास परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी रविवार को काठमांडू पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने यहां बताया कि विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुनु महावर अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान कई उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को उनके प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात करने तथा वित्त मंत्री रामेश्वर खनल, वाणिज्य मंत्री अनिल कुमार सिन्हा और गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल से मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि काठमांडू में महावर की चर्चा पांच मार्च को होने वाले चुनाव के लिए भारत के समर्थन और सहयोग पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा कि वह नेपाल में भारत द्वारा वित्तपोषित विकास परियोजनाओं की प्रगति का भी आकलन करेंगे।

पुतिन वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चार से पांच दिसंबर तक नई दिल्ली की यात्रा पर थे

पुतिन की भारत यात्रा के दौरान कड़ी सुरक्षा जांच पर रूसी पत्रकारों ने निराशा व्यक्त की

» मॉस्को, भाषा।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा के दौरान उनके साथ गए रूसी पत्रकारों ने 23वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन के दौरान अत्यंत कड़े सुरक्षा प्रतिबंधों पर निराशा व्यक्त की है। पुतिन वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चार से पांच दिसंबर तक नई दिल्ली की यात्रा पर थे, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था। अखबार कोमर्सेंट और वेदोमोस्ती के संवाददाताओं के अनुसार, हैदराबाद हाउस, राष्ट्रपति भवन और अन्य स्थानों पर सुरक्षा जांच उनकी अपेक्षा से कहीं अधिक गहन थी। कोमर्सेंट अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट में, आंद्रेई कोलेसनिकोव ने कहा कि समस्याएं शिखर सम्मेलन स्थल हैदराबाद हाउस से शुरू हुईं, जहां जांच के दौरान कई निजी सामान जमा करा लिए गए।

उन्होंने कहा कि पत्रकारों को पहले ही पावर बैंक न ले जाने की सलाह दी गई थी, लेकिन कई लोग तब हैरान रह गए जब चार्जर, सौंदर्य प्रसाधन और यहां तक कि कार की चाबियां और कंघी जैसी चीजें भी ले जाने पर रोक लगा दी गई। कोलेसनिकोव ने लिखा, हम मशहूर हैदराबाद हाउस गए, जहां वार्ता होनी थी। यहीं से सब कुछ शुरू हुआ। हमें पावर बैंक के बारे में चेतावनी दी गई थी... लेकिन उन्होंने हमें बाकी चीजों के बारे में नहीं बताया। उदाहरण के लिए, उन्होंने मेरा नियमित फोन चार्जर जब्त कर लिया... फिर उन्होंने लड़कियों से लिपस्टिक और परफ्यूम जब्त करना शुरू कर दिया... कंघी और हेयर बैंड क्यों (जब्त किए गए)? राष्ट्रपति भवन में पुतिन के औपचारिक स्वागत को कवर करने वालीं वेदोमोस्ती अखबार की एलेना मुखामेत्शिना ने भी ऐसा ही अनुभव बताया। उन्होंने बताया कि कुछ मामलों में, पत्रकारों को दो बार भी जांच से गुजरना पड़ा।

रूसी हमलों में एक व्यक्ति की मौत, अमेरिका और यूक्रेन के बीच वार्ता का तीसरा दिन समाप्त

कीव। रूस द्वारा रविवार रात को किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में यूक्रेन में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से तीसरे दिन की वार्ता समाप्त हो गई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी चेर्निहिव क्षेत्र में शनिवार रात हुए ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई। इस बीच, केंद्रीय शहर क्रेमेन्चुक में बुनियादी ढांचे पर मिसाइल और ड्रोन के संयुक्त हमले से बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। यह शहर यूक्रेन की प्रमुख तेल रिफाइनरियों और औद्योगिक केंद्रों में से एक है। कीव और उसके पश्चिमी सहयोगियों का कहना है कि रूस लगातार चौथी बार सर्दियों में यूक्रेन की ऊर्जा प्रणाली को निशाना बनाकर नागरिकों को गर्मी, रोशनी और पानी से वंचित करने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेनी अधिकारियों ने इसे ठंड को हथियार बनाना बताया। हमलों के बीच, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने फ्लोरिडा में चल रही वार्ता में शामिल अमेरिकी अधिकारियों से फोन पर बातचीत की।जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, यूक्रेन अमेरिकी पक्ष के साथ ईमानदारी से काम जारी रखने और शांति बहाल के लिए दृढ़ संकल्पित है। यूक्रेन के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निवर्तमान दूत कीथ केलॉग ने कहा कि वार्ता अंतिम चरण में है और इसका समाधान भूभाग, मुख्य रूप से डोनबास, तथा जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र से जुड़े मुद्दों पर निर्भर करता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,